जेपी नड्डा आज छत्तीसगढ़ में विविध कार्यक्रमों में होंगे शामिल

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

जबलपुर नगर निगम सीएम हेल्पलाइन निराकरण में फिर बना नंबर-1, मध्यप्रदेश में 98.79 प्रतिशत स्कोर रहा

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 355 | रायपुर | सोमवार 22 दिसंबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

निगम के बालको जोनांतर्गत 08 वार्डो में होंगे 02 करोड़ 61 लाख रू. के विकास कार्य , 08 लाख रू. से नवनिर्मित

उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रमों में इन विकास कार्यो हेतु सम्पन्न हुआ भूमिपूजन, नवनिर्मित सामुदायिक मंच भी जनसेवा में हुआ समर्पित

रायपुर। उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रमों में इन विकास कार्यो हेतु सम्पन्न हुआ भूमिपूजन, नवनिर्मित सामुदायिक मंच भी जनसेवा में हुआ समर्पित नगर पालिक निगम केारबा के बालको जोनांतर्गत वार्ड क्र. 38, 39, 40, 41, 42, 43,46 व 47 में 02 करोड़ 61 लाख रूपये के विकास कार्य कराए जाएंगे। आज प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रमों में इन विकास कार्यो का भूमिपूजन उनके करकमलों के द्वारा किया गया, वहीं वार्ड क्र. 38 चेकपोस्ट लालघाट में 08 लाख रूपये की लागत से नवनिर्मित सामुदायिक मंच का लोकार्पण भी उनके हाथों सम्पन्न हुआ। इस मौके पर निगम के सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, एम.आई.सी.सदस्य हितानंद अग्रवाल सहित निगम के पार्षद व जनप्रतिनिधिगण विशिष्ट रूप से उपस्थित थे। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा बालको जोन के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्र. 38 अंतर्गत रिसदा में 30 लाख रूपये की लागत से सी.सी.रोड एवं नाली निर्माण, वार्ड क्र. 38 चेकपोस्ट भदरापारा ईश्वर साहू मोहल्ला में लूडी हैम्ब्रो घर से स्व.पवन पटेल घर तक 10 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड नाली निर्माण, वार्ड क्र. 38 अंतर्गत अमरसिंह होटल के पास 08 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड नाली निर्माण, वार्ड क्र. 38 अंतर्गत चेकपोस्ट भदरापारा ईश्वर साहू मोहल्ला में माखन यादव के घर से नदी तक 14 लाख 50 हजार रूपये की लागत से सी.सी. रोड नाली निर्माण, वार्ड क्र. 39 अंतर्गत विभिन्न स्थानों में 30 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड नाली निर्माण, वार्ड क्र. 46 परसाभांठा बालको नवधा पण्डाल के पास 15 लाख रूपये की लागत से किचन शेड व कक्ष का निर्माण किया जाना हैं। इसी प्रकार वार्ड क्र. 40 पाड़ीमार क्र. 01 शास.प्रा.शाला परसाभांठा एवं प्राथमिक शाला रिसदा में 20 लाख रूपये की लागत से अहाता निर्माण, वार्ड क्र. 40 अंतर्गत पाड़ीमार बालको चिंतामणी साहू के घर से स्वास्थ्य केन्द्र तक 05 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड नाली निर्माण, वार्ड क्र. 36 पाड़ीमार बालकोनगर में 10 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण, वार्ड क्र. 41 अंतर्गत विभिन्न स्थानों में 25 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड नाली निर्माण, वार्ड क्र. 41 अंतर्गत पाड़ीमार क्र. 02 पार्षद घर के पीछे तालाब के चारों ओर 15 लाख रूपये की लागत से सी.सी.रोड निर्माण एवं उन्नयन कार्य किए जाने हैं। इसी प्रकार वार्ड क्र. 42 अंतर्गत बालकोनगर दैहानपारा स्थित शिव मंदिर के पास 15 लाख रूपये की लागत से तालाब का जीर्णोद्धार कार्य, वार्ड क्र. 42 दैहानपारा राखड़ डेम के पास 27 लाख 70 हजार रूपये की लागत से एस.एल.आर.एम.सेंटर का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 43 कैलाशनगर में 20 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण तथा वार्ड क्र. 45 अंतर्गत स्थित शासकी माध्यमिक शाला रूमगरा में 16 लाख 83 हजार रूपये की लागत से नवीन शाला भवन का निर्माण कार्य किया जाना हैं।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के कर कमलों से पल्स पोलियो अभियान 2025 का शुभारंभ

एमसीबी। जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान 2025 को सफलतापूर्वक संचालित करने के उद्देश्य से दिनांक 17 दिसंबर 2025 को जिला स्तरीय पल्स पोलियो टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की तैयारियों विभागीय समन्वय लक्ष्य प्राप्ति की रणनीति तथा मैदानी स्तर पर की जाने वाली व्यवस्थाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी जिला परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग तीनों विकासखंडों के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सहित जिले के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ वासिक असदक के प्रतिनिधि द्वारा पल्स पोलियो अभियान से जुड़े तकनीकी पहलुओं माइक्रो प्लान निगरानी व्यवस्था एवं रिपोर्टिंग प्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। 21 से 23 दिसंबर तक चलेगा अभियान 51 हजार बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की दवा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खरे ने जानकारी दी कि जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 21 22 एवं 23 दिसंबर 2025 को संचालित किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 51 हजार बच्चों को पोलियो रोधी वैक्सीन की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह अभियान माननीय स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिले में विशेष प्राथमिकता के साथ बड़े पैमाने पर संचालित किया जा रहा है ताकि जिले में शत प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सके और कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रहे। अभियान के प्रभावी संचालन हेतु जिले भर में 542 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं जहां 1723 स्वास्थ्य कर्मी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आशा कार्यकर्ता एवं अन्य विभागीय कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रत्येक बूथ पर दवाइयों वैक्सीन कैरियर कोल्ड चेन व्यवस्था एवं अभिलेख संधारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही घर घर जाकर बच्चों को दवा पिलाने के लिए मोबाइल एवं ट्रांजिट टीमों का गठन किया गया है तथा बस स्टैंड रेलवे स्टेशन प्रमुख चौराहों हाट बाजार मेलों एवं अन्य भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर विशेष टीमें तैनात की जाएंगी ताकि यात्रा के दौरान कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से छूट न जाए। जनसहयोग से पोलियो मुक्त जिले की ओर मजबूत कदम बैठक में यह भी बताया गया कि अभियान के दौरान छूटे हुए बच्चों की पहचान कर उन्हें कवर करने हेतु विशेष मॉनिटरिंग एवं सुपरविजन टीमों की व्यवस्था की गई है। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि चूंकि यह अभियान माननीय स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिले में बड़े स्तर पर संचालित किया जा रहा है इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से पोलियो की दवा पिलाएं क्योंकि पोलियो जैसी गंभीर एवं अपंगता उत्पन्न करने वाली बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए यह अभियान अत्यंत आवश्यक है। अंत में जनप्रतिनिधियों समाजसेवी संगठनों स्वयंसेवी संस्थाओं मीडिया प्रतिनिधियों एवं आमजन से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने हेतु सक्रिय सहयोग की अपील की गई।

कोकीन तस्करी मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गोंदिया से किया गिरफ्तार

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में बीते गुरूवार को प्रतिबंधित मादक पदार्थ कोकिन के गिरफ्तार किये गये महाराष्ट्र के अंतर्राज्यीय आरोपी की गिरफ्तारी के बाद बैकवर्ड लिंकेज के आधार पर पुलिस ने मामले में एक और आरोपी आवेश सैय्यद को गोंदिया महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है।

बता दें कि थाना गंज के अपराध क्रमांक 334/25 धारा 22 नारकोटिक एक्ट के प्रकरण में दिनांक 18.12.2025 को वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना गंज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा गंज क्षेत्र में अंतर्राज्यीय आरोपी हर्ष नरेश पांडेय पिता नरेश पांडेय उम्र 22 वर्ष निवासी सिविल लाईन माता मंदिर के पास गोंदिया महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से प्रतिबंधित मादक पदार्थ कोकिन 16.56 ग्राम कीमत लगभग 8,28,000 रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया था। गिरफ्तार आरोपी से उक्त प्रतिबंधित मादक पदार्थ के संबंध में विस्तृत पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा मादक पदार्थ कोकिन को गोंदिया महाराष्ट्र निवासी आवेश सैय्यद से लाना बताया गया, जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी आवेश सैय्यद पिता मुमताज अली सैय्यद उम्र 27 साल निवासी गोंदिया सिविल लाईन माता मंदिर नूरी चौक थाना सिटी कोतवाली जिला गोंदिया महाराष्ट्र की पतासाजी कर उसे पकड़ा गया। आरोपी आवेश सैय्यद को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से प्रकरण से संबंधित मोबाईल फोन जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना गंज में दर्ज धारा 22 नारकोटिक एक्ट में कार्यवाही किया गया।

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार हेतु आवेदन आमंत्रण

बीजापुर । खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड ग्रामोद्योग द्वारा शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कुटरी उद्योग की स्थापना हेतु बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाता हैं। जिसमें शासन द्वारा 35 प्रतिशत प्रतिशत अनुदान का लाभ दिया जाता है। अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के सभी 33 जिलों के माध्यम से आवेदन जमा कर योजना का लाभ लिया जा सकता हैं। प्रधानमंत्री रोजगार सजून कार्यकम केन्द्र शासन की इस योजना के तहत शहरी एवं ग्रामीण अजा, अजजा अपिव, सामान्य वर्ग के लिए सेवा क्षेत्र सायकल रिपेयरिंग, मोबाईल रिपेयरिंग, इलेक्ट्रानिक, इलेक्ट्रिक रिपेयरिंग, ब्यूटी पार्लर, फोटोकापी, वीडियोग्राफी इत्यादि के लिए 20.00 लाख एवं विनिर्माण क्षेत्र दोना पत्तल निर्माण, फेबिकेशन, दूध डयेरी प्रोडक्ट, साबुन निर्माण, मसाला निर्माण, दलिया निर्माण पशुचारा निर्माण, फ्लाई ऐश ब्रिक्स निर्माण नूडल्स निर्माण इत्यादि के लिए 50.00 लाख तक का लोन (ऋण) बैंक के माध्यम से प्रदाय किया जाता हैं। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के हितग्राही को 35 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्र के हितग्राही का 25 प्रतिशत तथा शहरी हितग्राही को 15 प्रतिशत अनुदान का लाभ दिया जाता हैं। इस योजनांतर्गत ऑनलाईन आवेदन पीएमईजीपी पोर्टल (द्म1द्बष्श्ठ्ठद्यद्बठ्ठद्ग.द्बठ्ठ/श्चद्वद्गद्दश्च श्चश्वह्लद्गड्डद्य) में किया जा सकता है। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यकम राज्य शासन की इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के अजा, अजजा एवं अपिव वर्ग को सेवा क्षेत्र सायकल रिपेयरिंग, मोबाईल रिपेयरिंग, इलेक्ट्रानिक, इलेक्ट्रिक रिपेयरिंग, ब्यूटी पार्लर, फोटोकापी, वीडियोग्राफी, इत्यादि के लिए 1.00 लाख एवं विनिर्माण क्षेत्र दोना पत्तल निर्माण, फेबिकेशन, दूध डयेरी प्रोडक्ट, साबुन निर्माण, मसाला निर्माण, दलिया निर्माण पशुचारा निर्माण, फ्लाई ऐश ब्रिक्स निर्माण नूडल्स निर्माण इत्यादि के लिए 3.00 लाख तक का लोन बैंक के माध्यम से प्रदाय किया जाता हैं जिसमें 35 प्रतिशत अनुदान दिया जाता हैं। इस योजना में हितग्राही को परियातना लागत का 5 प्रतिशत स्वयं लगाना होता हैं। यह योजना ऑफलाईन है अतः सहायक संचालक प्रभारी प्रबंधक, जिला पंचायत बीजापुर खादी ग्रामोद्योग शाखा से आवेदन प्राप्त कर योजना का लाभ ले सकते हैं। अथवा अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नम्बर 8770939505, 9406358095 पर संपर्क किया जा सकता है। आवेदन हेतु वांछित दस्तावेज पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, स्थायी निवास एवं जाति प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र पांचवी, आठवी अंकसूची, ग्राम पंचायत अनापत्ति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, 50, स्टाम पर शपथ पत्र, बैंक पासबुक छायाप्रति पेन कार्ड एवं अन्य दस्तावेज आवश्यकतानुसार।

तेज रफ्तार हाइवा की टक्कर से बाइक सवार युवक युवती की मौत, एक युवती की हालत गंभीर

दुर्ग,18 दिसम्बर (आरएनएस)। घटना की सूचना मिलते ही पुरानी भिलाई थाना पुलिस मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल युवती को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं पुलिस ने दोनों मृतकों के शव को मर्चुरी भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और हाइवा चालक की तलाश की जा रही है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

आर्थिक सशक्तिकरण से बदलती महिलाओं की तस्वीर, छत्तीसगढ़ सरकार कर रही महिलाओं की आर्थिक विकास

रायपुर। महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता, आत्मसम्मान तथा समाज में उनकी निर्णायक भूमिका को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में उभर रही है। यह योजना महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ स्वरोजगार एवं आजीविका के नए अवसरों से जोड़ रही है। प्रतिमाह प्राप्त सहायता राशि का सदुपयोग कर महिलाएं छोटे-छोटे व्यवसाय प्रारंभ कर रही हैं, जिससे न केवल उनकी आय में वृद्धि हो रही है, बल्कि परिवार और समाज में उनकी सशक्त पहचान भी बन रही है।

जांजगीर-चांपा जिले के तहसील मुख्यालय चांपा के वार्ड क्रमांक 02 की निवासी श्रीमती उर्मिला यादव ने हर महीना महतारी वंदन योजना के अंतर्गत मिलने वाली एक हजार रूपए की राशि को बचाकर आर्टिफिशियल गहनों का व्यवसाय प्रारंभ किया। वर्तमान में वे घर से तथा साप्ताहिक हाट-बाजारों में गहनों का विक्रय कर प्रतिमाह लगभग 2000 रुपये की अतिरिक्त आमदनी अर्जित करने लगी है।

चांपा की ही श्रीमती ज्योति कसेर ने योजना की सहायता राशि से पापड़ व्यवसाय शुरू किया, जिससे उन्हें प्रतिमाह लगभग 5000 रुपये का लाभ प्राप्त हो रहा है। इससे वे अपने परिवार की शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को सहजता से पूरा कर पा रही हैं। ग्राम सरहर की श्रीमती सुमित्रा कर्ष ने भी योजना से प्राप्त राशि से श्रृंगार सामग्री की दुकान प्रारंभ की, जिससे उन्हें वर्तमान में प्रतिमाह लगभग 1000 रुपये की अतिरिक्त आय हो रही है। वहीं श्रीमती कुसुम देवी पाण्डेय ने बचत राशि से श्रृंगार दुकान का विस्तार किया है, जिससे उन्हें हर महीने 2000 रुपये का मुनाफा होने लगा है।

जगतप्रकाश नड्डा के जांजगीर आगमन को लेकर हाई लेवल बैठक, भव्य जनसभा की व्यापक

रायपुर । जांजगीर-चाम्पा जिले में 22 दिसंबर को माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगतप्रकाश नड्डा जी के आगमन को लेकर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व द्वारा एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, सुरक्षा व्यवस्था, जनसहभागिता एवं संगठनात्मक जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। सुबह 11 बजे जांजगीर के खोखरा पुलिस ग्राउंड में 50 हजार से अधिक की क्षमता वाले विशाल मैदान में माननीय श्री नड्डा जी एक भव्य आम जनसभा को संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय सरकार के सफलतापूर्वक दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित जनादेश पर्व के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर श्री नड्डा जी करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे। कार्यक्रम को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए शासन-प्रशासन एवं भाजपा संगठन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। जांजगीर शहर को भगवामय रूप में सजाने की जिम्मेदारी भारतीय जनता युवा मोर्चा को सौंपी गई है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश चौधरी, सभी मंत्रीगण, सांसद, विधायक, प्रदेश पदाधिकारी, निगम-मंडल अध्यक्ष, संभाग एवं जिला प्रभारी, सभी जिलाध्यक्ष तथा भाजपा संगठन के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इसके साथ ही महतारी दीदी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होकर प्रदेश की भाजपा सरकार के प्रति आभार प्रकट करेंगी तथा जिले भर से हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। इस विशाल आयोजन और आयोजन की तैयारियों के निरीक्षण करने पहुंचे भाजपा नेताओं ने कहा वरिष्ठ भाजपा नेता और श्री बिलासपुर संभाग प्रभारी रामू रोहरा ने कहा कि माननीय केंद्रीय मंत्री जगतप्रकाश नड्डा जी का जांजगीर आगमन पूरे बिलासपुर संभाग के लिए गौरव का विषय है।

नाचने के विवाद पर युवक की हत्या करने वाले तीन नाबालिग समेत 6 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर । राजधानी रायपुर के पंडरी मोवा में गुरू घासीदास जयंती पर्व के शोभायात्रा में नाचने को लेकर हुए विवाद में एक युवक की हत्या करने के मामले में पुलिस ने तीन नाबालिग समेत कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बता दें कि दिनांक 18.12.2025 को गुरू घासीदास जयंती पर्व के उपलक्ष्य में शोभायात्रा में दिनेश निषाद उम्र 18 साल निवासी मोवा तालाब पार थाना पंडरी रायपुर अपने साथियों के साथ शामिल होकर नाच रहा था, तभी बेस्ट च्वाईस मोवा के सामने रात्रि लगभग 9:45 बजे अंकित धुमाल वाले भीड़ मे नाच रहे लोगों के साथ नाचने के दौरान धक्का लगने से विवाद प्रारंभ हो गया और इसी बात पर उग्र होकर गगन टोडर, तोरण मारकण्डे, राहुल भारती एवं अन्य के द्वारा जान से मारने की नीयत से अपने साथ लाये स्टील के पाईप, कड़ा तथा हाथ मुक्का से मारपीट कर दिनेश निषाद व उसके साथियों के साथ मारपीट कर अपने पास रखें धारदार वस्तु से दिनेश निषाद के सीना व पीठ में वार कर आहत कर दिये। आहत दिनेश निषाद को उसके साथियों द्वारा उपचार हेतु अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान दिनांक 19.12.25 को सुबह दिनेश निषाद की मृत्यु हो गई। मामले में आरोपियों के विरूद्ध थाना पंडरी में धारा 103, 190, 191 बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। हत्या की घटना को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा गंभीरता से लेते हुये थाना प्रभारी पंडरी एवं प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट को आरोपियों की पतासाजी कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना पंडरी पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर घटना व आरोपियों के संबंध में मृतक के साथियों सहित वहां उपस्थित अन्य लोगों से विस्तृत पूछताछ कर आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा प्रकरण में त्वरित कार्यवाही कर आरोपियों के संबंध में जानकारी एकत्र कर उनके छिपने के हर संभावित ठिकानों में लगातार रेड कार्यवाही कर प्रकरण में तीन नाबालिग आरोपी एवं राहुल भारती पिता हेमंत भारती उम्र 22 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती सतनामी मोहल्ला मोवा थाना पण्डरी रायपुर, गगन टोडर पिता तारकेश्वर टोडर उम्र 18 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती सतनामी पारा मोवा राज किराना स्टोर्स के पास थाना पण्डरी रायपुर तथा तोरण कुमार मारकण्डे पिता जितेन्द्र कुमार मारकण्डे उम्र 20 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती सतनामी पारा राज किराना स्टोर्स के पास मोवा थाना पण्डरी रायपुर को गिरफ्तार किया गया। तथा उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 धारदार वस्तु, स्टील का 03 नग पाईप एवं 01 कड़ा जप्त कर सभी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया। प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपी फरार है।

मुंगेली नगर पालिका की बैठक में साइबर फ्रॉड, यातायात नियम व नशा मुक्ति पर दिया गया जोर

मुंगेली। पहल जागरूकता अभियान के तहत मुंगेली नगर पालिका की में बैठक, साइबर फ्रॉड, यातायात नियम व नशा मुक्ति पर जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक भोज राम पटेल द्वारा आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से लगातार चलाए जा रहे पहल जागरूकता अभियान के तहत दिनांक 20 दिसंबर 2025 को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक पुलिस अधीक्षक भोज राम पटेल के दिशा-निर्देश में नगर पालिका परिषद मुंगेली के कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक का नेतृत्व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) मयंक तिवारी द्वारा किया गया।बैठक में नगर पालिका परिषद मुंगेली के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सभी पार्षद उपस्थित रहे। इस दौरान शहर में बढ़ते साइबर अपराध, यातायात नियमों के पालन तथा नशा और ड्रग्स से दूर रहने जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। एसडीओपी मयंक तिवारी ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में साइबर फ्रॉड एक बड़ी चुनौती बन चुका है। आम नागरिकों को किसी भी अनजान कॉल, लिंक, ओटीपी या ऑनलाइन लालच से सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने पार्षदों से अपील की कि वे अपने-अपने वार्डो में नागरिकों को साइबर अपराध से बचाव के तरीकों की जानकारी दें।यातायात नियमों के संबंध में एसडीओपी तिवारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, ओवरस्पीडिंग से बचना और नशे की हालत में वाहन न चलाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि यातायात नियमों का पालन केवल कानून का डर नहीं, बल्कि स्वयं और दूसरों की सुरक्षा के लिए जरूरी है। इस विषय पर भी पार्षदों से आग्रह किया गया कि वे वार्ड स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को नियमों के प्रति संवेदनशील बनाएं।बैठक में नशा एवं ड्रग्स के बढ़ते खतरे पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। एसडीओपी मयंक तिवारी ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है।

बिना सर्वे जमीन के रेट बढ़ाना किसानों पर अन्याय, फैसला थोपना बंद करे सरकारः किसान

दैनिक लोकशक्ति,रायपुर।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बिना किसी जमीनी सर्वे, स्थानीय परिस्थितियों और वास्तविक बाजार मूल्य का आकलन किए बिना भूमि की गाइडलाइन दरों में की गई भारी बढ़ोतरी से प्रदेशभर के किसानों में गहरा असंतोष है।वही शनिवार को रायपुर प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता लेकर किसान और वकीलों ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में बताता की सरकार एकतरफ ा और जनविरोधी निर्णय बताते हुए कहा कि सरकार राजस्व बढ़ाने के लिए किसानों पर आर्थिक बोझ डाल रही है।

साथ ही जमीनों की बढ़ी गाइडलाइन से लगभग 300 किसानों रायपुर कलेक्ट्रेट में अपनी आपत्ति दर्ज कर चुके है और लगातार किसान अपनी आपत्ति दर्ज करा रहे है।

किसान संगठनों का आरोप है कि कई क्षेत्रों में गाइडलाइन दरों में 100 से 600 प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी गई है, जबकि वहां न तो बुनियादी सुविधाएं मौजूद हैं और न ही जमीन की वास्तविक बाजार मांग। इसके बावजूद उन क्षेत्रों को उच्च श्रेणी में रखकर दरें बढ़ा दी गईं, जो किसानों के साथ अन्याय है।

संगठनों का कहना है कि जमीन के रेट बढ़ने से रजिस्ट्री, स्टाम्प ड्यूटी, नामांतरण, बैंक ऋण, पारिवारिक बंटवारे और अन्य कानूनी प्रक्रियाएं महंगी हो गई हैं। इससे छोटे और मध्यम किसानों के साथ-साथ मध्यम व निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए जमीन और आवास तक पहुंच लगभग असंभव हो जाएगी।

किसानों ने बताया कि अचानक हुई इस वृद्धि से जमीन की खरीदी-बिक्री लगभग ठप हो गई है। कृषि भूमि, छोटे व्यवसाय और पारंपरिक प्रॉपर्टी कारोबार

प्रभावित हो रहे हैं, जिससे बेरोजगारी बढ़ने की आशंका है। कई किसान अपनी जरूरी जरूरतों–इलाज, बच्चों की पढ़ाई, शादी या गृह निर्माण–के लिए भी जमीन नहीं बेच पा रहे हैं।

किसान संगठनों ने यह भी आरोप लगाया कि नई गाइडलाइन में नेशनल हाइवे, स्टेट हाइवे, प्रधानमंत्री सड़क और गांव के पहुंच मार्ग–सभी को मुख्य मार्ग मान लिया गया है, जो तर्कसंगत नहीं है।

संगठनों का कहना है कि भूमि केवल संपत्ति नहीं, बल्कि किसानों के जीवन, रोजगार और भविष्य का आधार है। बिना व्यापक जन-परामर्श और बाजार अध्ययन के लिया गया यह फैसला जनभावनाओं के विपरीत है। इससे न्यायिक विवाद बढ़ेंगे और प्रशासनिक बोझ भी बढ़ेगा।

किसानों की प्रमुख मांगें

बढ़ाई गई गाइडलाइन दरों को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाए।

सभी जिलों और क्षेत्रों में वास्तविक जमीनी सर्वे कराया जाए।

किसान संगठनों, जनप्रतिनिधियों और विशेषज्ञों से चर्चा के बाद ही नई दरें तय हों।

पुनर्विचार की प्रक्रिया पूरी होने तक पूर्ववर्ती दरों पर ही व्यवहारिक वृद्धि के साथ काम करने की अनुमति दी जाए।

किसान संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार बिना संवाद के फैसले थोपती रही, तो यह निर्णय आम जनता और किसानों पर भारी पड़ेगा। उन्होंने सरकार से जनहित को सर्वोपरि रखते हुए तत्काल पुनर्विचार की मांग की है।आज इस पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप में अधिवक्ता आकाश हिंदुजा,साथ अधिवक्ता और किसान केशव वैष्णव, किसान भीषण बंजारे, जुड़ावन साहू,पवन कुमार साहू,राम कुमार साहू, थलेंद्र साहू, दिलीप साहू,अमीन खान,जीतू देवांगन,तीरथ ,नोहर हरबंश,दिलीप नवरंगें, टेकराम वर्मा,धनंजय घृतलहरे,प्यारेलाल महेश्वरी,घनश्याम वर्मा सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत आईसीएआर–एनआईबीएसएम

रायपुर । स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को सुदृढ़ करते हुए स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान (इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च - नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटिक स्ट्रेस मैनेजमेंट, आईसीएआर-एनआईबीएसएम), रायपुर, छत्तीसगढ़ में हरित अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान परिसर के खुले एवं अनुपयोगी क्षेत्रों में लगभग 50 अशोक (सराका असोका) के पौधे लगाए गए, जिससे हरित आवरण बढ़ाने और पर्यावरणीय सततता को प्रोत्साहन देने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय द्वारा पौधारोपण कर किया गया। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक एवं स्वच्छता पखवाड़ा के नोडल अधिकारी डॉ. पंकज शर्मा, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), संयुक्त निदेशक (शिक्षा) सहित संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी तथा सहयोगी स्टाफ उपस्थित रहे। इस अवसर पर संबोधित करते हुए डॉ. पी. के. राय ने कहा कि वनीकरण जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने, कार्बन उत्सर्जन को कम करने तथा वनों की कटाई से उत्पन्न दुष्प्रभावों को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि हरित एवं सतत परिसर न केवल पर्यावरणीय गुणवत्ता में सुधार करता है, बल्कि पारिस्थितिक संतुलन, जैव विविधता संरक्षण और मानव कल्याण में भी सहायक होता है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल की सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंतर्गत एक पूरक गतिविधि के रूप में एकल-उपयोग प्लास्टिक के उपयोग को त्यागने को लेकर जागरूकता भी फैलाई गई। प्रतिभागियों को पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने, जिम्मेदार प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाए रखने के लिए प्लास्टिक खपत न्यूनतम करने के प्रति संवेदनशील किया गया।

धान उपार्जन केन्द्रों में व्यवस्था से किसानों को राहत, किसान को मिल रही सुविधा से खुश

रायपुर। शासन के निर्देशानुसार राज्य के सभी धान उपार्जन केन्द्रों में प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्था से किसानों को सुविधा मिल रही है। धान खरीदी केन्द्रों में किसानों के लिए मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था के साथ ही सुगम एवं पारदर्शी व्यवस्था के चलते किसानों को धान बेचने में आसानी हो रही है। टोकन प्रणाली, समयबद्ध खरीदी प्रक्रिया के चलते किसानों को न तो अब इंतजार करना पड़ रहा है न ही धान विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी हो रही है।

सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत किशुनपुर निवासी कृषक श्री रामाधीन सिंह ने धान खरीदी व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष उनकी फसल अच्छी हुई है। उनके पिता श्री शिवचरण सिंह के नाम से कुल 86.40 क्विंटल धान बेचा है। टोकन अनुसार जब वे नमनाकला धान उपार्जन केन्द्र पहुंचे, तो वहां प्रवेश के साथ ही गेट पास जारी किया गया। नमी परीक्षण उपरांत तत्काल बारदाना उपलब्ध कराया गया। पूरी प्रक्रिया निर्धारित समय में पूर्ण हुई।

किसान श्री रामाधीन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में

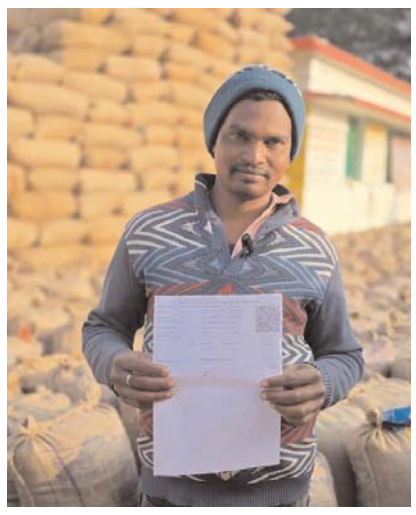

प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को प्रति क्विंटल धान का 3100 रुपये मूल्य मिलने से किसानों को आर्थिक लाभ हो रहा है। धान विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग वे गेहूं, सरसों सहित अन्य फसलों एवं सब्जी उत्पादन में कर रहे हैं। सरकार की किसान-हितैषी नीतियों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है।

छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग के सहयोग से रायपुर में पहली बार आयोजित होगा 'केरा वैन फेस्ट'

रायपुर। छत्तीसगढ़ पर्यटन को नए आयाम देने की दिशा में एक अनूठी पहल के रूप में ÷कैरा वैन फेस्ट'' का आयोजन 22 दिसंबर 2025 को अरन्यम्म रिसॉर्ट, माना बस्ती, माना तूता रोड, रायपुर में किया जा रहा है। यह आयोजन छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रायोजन में तथा ओवरलैंडर एसोसिएशन ऑफइंडिया के सहयोग से संपन्न होगा। इस आयोजन की थीम है-''अ शार्ट जर्नी इन टू द हार्ट ऑफछत्तीसगढ़''

शाम 4 बजे से 8 बजे तक चलने वाले इस विशेष फेस्टिवल में एडवेंचर, नेचर और संस्कृति का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। कैरा वैन फेस्ट का उद्देश्य छत्तीसगढ़ को कैरा वैन टूरिज्म, कैंपिंग और अनुभवात्मक यात्रा के एक नए और आकर्षक गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं हैं, नाइट कैंपिंग, स्टारगेजिंग, बॉलीवुड म्यूजिक और स्थानीय छत्तीसगढ़ी व्यंजन हैं। यह कार्यक्रम

पूर्णतः निःशुल्क है और इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य रखा गया है। कैरावैन एक विशेष प्रकार का वाहन होता है जो कैंपिंग और लंबी यात्राओं के लिए तैयार किया जाता है, जिसमें रहने, खाने-पीने और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था होती है। यह स्व-निर्भर यात्रा का प्रतीक है, जहां यात्री बिना होटल पर निर्भर हुए सड़क मार्ग से दूरस्थ स्थानों का भ्रमण कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ पर्यटन के संदर्भ में, विशेष रूप से तैयार की गई कैरावैन इस फेस्ट का मुख्य आकर्षण होगी, जो राज्य की प्राकृतिक सुंदरता को अनुभवजन्य तरीके से पेश करेगी।कैरावैन पर्यटन से राज्य के जंगलों, झरनों और पर्यटन क्षेत्रों तक पहुंच आसान होगी, जिससे अनुभवजन्य यात्रा को बढ़ावा मिलेगा। यह युवा घुमक्कड़ों और स्थलयात्रा समुदाय (ओवरलैंडिंग कम्युनिटी) को आकर्षित कर पर्यटन आय बढ़ाएगा। आने वाले समय में कैरावैन रूट्स विकसित होने से स्थानीय रोजगार और इको-टूरिज्म को मजबूती मिलेगी।यह फेस्ट खास तौर पर युवाओं, ट्रैवल एंथूजियास्ट्स और ओवरलैंडिंग कम्युनिटी के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे लोग छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, शांति और सांस्कृतिक विविधता को एक नए अनुभव के साथ महसूस कर सकेंगे।कार्यक्रम का आयोजन एनएम इवेंट्स द्वारा किया जा रहा है। अरन्यम्म रिसॉर्ट इस आयोजन का हॉस्पिटैलिटी पार्टनर है और इवेंट एंड एंटरटेनमेंट मैनेजमेंट एसोसिएसन ऑफ छत्तीसगढ़ द्वारा समर्थित है। आयोजकों ने ट्रैवल ब्लॉगर्स, एडवेंचर प्रेमियों, मीडिया प्रतिनिधियों और आम नागरिकों से इस अनूठे आयोजन में शामिल होकर छत्तीसगढ़ के ÷दिल÷ की इस छोटी लेकिन यादगार यात्रा का हिस्सा बनने का आग्रह किया है। अधिक जानकारी एवं पंजीकरण हेतु 88275-36363 पर संपर्क किया जा सकता है।

लूट को अंजाम देने वाले दो आरोपी पकड़ाये

रायपुर । राजधानी रायपुर के माना थानाक्षेत्र में एक हाईवा वाहन चालक के साथ लूटपाट करने वाले हिस्ट्रशीटर सहित दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी चेतन मण्डावी जिला धमतरी के थाना सिटी कोतवाली का हिस्ट्रीशीटर है जो वर्तमान में धमतरी से जिला बदर है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी गोपी साहू ने थाना माना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह दिनांक 16.12.25 को हाईवा वाहन क्रमांक सी जी 07 डी बी 8082 में राजिम की ओर रेत लेने जा रहा था इसी दौरान माना बाईपास में वाहन को साईड में लगाकर प्रार्थी वाहन से नीचे उतर रहा था, तभी मोटर सायकल में सवार 02 अज्ञात व्यक्ति आये और उसे पकडकर अश्लील गाली गलौच कर हाथ मुक्का और किसी धातु से मारपीट कर उसके जेब में रखें नगदी रकम, मोबाईल फोन, हेड फोन, पर्स च हाईवा वाहन की चाबी को लूट कर फरार हो गये।

किसानों से दलहन-तिलहन उपार्जन की केन्द्र ने दी स्वीकृति मार्कफेड सहकारी समितियों के माध्यम से करेगा उपार्जन

खरीफमें उपार्जन के लिए 425 करोड़ रूपए मंजूर

रायपुर। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम आशा) के तहत प्राइस सपोर्ट स्कीम में छत्तीसगढ़ को दलहन और तिलहन फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन की अनुमति मिल गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम के बीच हुई चर्चा के बाद केंद्र सरकार ने खरीफसीजन में दलहन-तिलहन उपार्जन के लिए 425 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से खरीफ और रबी सीजन के लिए कुल 1 लाख 22 हजार मीट्रिक टन

दलहन-तिलहन उपार्जन का प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया था। इसमें खरीफके लिए 50 हजार मीट्रिक टन और रबी के लिए 72 हजार मीट्रिक टन शामिल हैं। फिलहाल केंद्र से खरीफ की फसलों के उपार्जन की अनुमति मिली है। इसके तहत अरहर 21 हजार 330 मीट्रिक टन, उड़द 25 हजार 530 मीट्रिक टन, मूंग 240 मीट्रिक टन, सोयाबीन 4 हजार 210 मीट्रिक टन और मूंगफली 4 हजार 210 मीट्रिक टन का उपार्जन किया जाएगा। इन फसलों के उपार्जन पर कुल 425 करोड़ रुपए खर्च होंगे। केंद्र सरकार ने मांग आने पर सोयाबीन और मूंगफली के लिए अतिरिक्त स्वीकृति देने का आश्वासन भी दिया है। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए अरहर का समर्थन मूल्य 8000 रूपए प्रति क्विंटल, मूंग का 8768 रूपए, उड़द का 7800 रूपए, मूंगफली का 7800 रूपए, सोयबीन का प्रति क्विंटल 5328 रूपए घोषित किया गया है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने समर्थन मूल्य पर दलहन-तिलहन उपार्जन के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। उपार्जन का कार्य राज्य में मार्कफेड के माध्यम से सहकारी समितियों द्वारा किया जाएगा। इसके लिए 22 जिलों में 222 उपार्जन केंद्र पहले ही अधिसूचित कर दिए गए हैं। किसानों के पंजीयन की प्रक्रिया कृषि विभाग के एकीकृत किसान पोर्टल पर लगातार जारी है। जिन किसानों का पंजीयन अब तक नहीं हो पाया है, वे नजदीकी सहकारी समिति के माध्यम से पंजीयन कराकर योजना का लाभ उठा सकते हैं।

पल्स पोलियो अभियान के तहत जागरूकता रथ को दिखाई गई हरी झंडी

रायपुर । राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के अवसर पर आयोजित पल्स पोलियो अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं व्यापक जनजागरूकता के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी द्वारा आज प्रचार-प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत दिनांक 21 दिसंबर 2025 को बूथ स्तर पर शून्य से 05 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। वहीं, किसी कारणवश छूट गए बच्चों को 22 एवं 23 दिसंबर 2025 को घर-घर भ्रमण कर पोलियो की खुराक दी जाएगी। प्रचार रथ के माध्यम से जिले के सभी विकासखंडों में आमजन को पल्स पोलियो अभियान के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी ने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपने शून्य से 05 वर्ष आयु के सभी बच्चों को निर्धारित तिथियों पर पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं। सीएमएचओ ने जानकारी देते हुए बताया कि रायपुर जिले में शून्य से 05 वर्ष आयु वर्ग के कुल 3,45,705 बच्चों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है,

महंत लक्ष्मीनारायणदास कॉलेज : जर्नलिज्म के छात्रों को शैक्षणिक टूर से मिला व्यावहारिक अनुभव

खैरागढ़ के सुदूर क्षेत्र छुईखदान बेल्ट में राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजना के बारे में जनचर्चा भी की गई

दैनिक लोकशक्ति, खैरागढ़/रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित महंत कॉलेज के पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों का शैक्षणिक टूर शनिवार 20 दिसम्बर को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों ने खैरागढ़ स्थित इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय तथा प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण छिन्दारी डेम का भ्रमण किया। इस शैक्षणिक यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा की पढ़ाई से बाहर निकलकर व्यावहारिक ज्ञान और सामाजिक-सांस्कृतिक समझ प्रदान करना था।

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक महत्व को करीब से जाना। विद्यार्थियों को बताया गया कि किस तरह यह विश्वविद्यालय कला, संगीत और संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विद्यार्थियों ने परिसर, शैक्षणिक गतिविधियों और कला से जुड़े विभिन्न विभागों की जानकारी प्राप्त की, जो पत्रकारिता के अध्ययन में विषयगत समझ को और व्यापक बनाती है।

इसके पश्चात विद्यार्थियों ने छिन्दारी डेम का भ्रमण किया, जहां उन्हें प्राकृतिक संसाधनों, जल प्रबंधन और पर्यावरणीय संतुलन के विषय में जानकारी दी गई। डेम

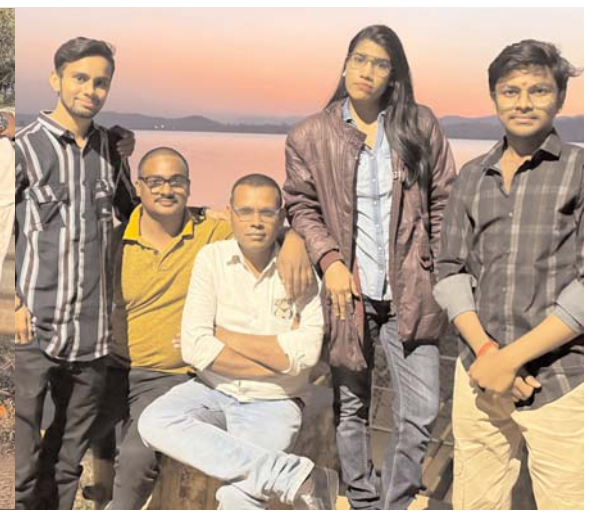

के आसपास के प्राकृतिक दृश्य विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे, साथ ही यहां उन्होंने पर्यटन और विकास से जुड़े पत्रकारिता के पहलुओं को भी समझा।

इस शैक्षणिक टूर में महंत कॉलेज के पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष आरपी दुबे, प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी गायक दिलीप षड़ंगी सहित उनके साथ विभाग के बीएएमसी और पीजीडीजे के छात्र-छात्राओं में मुस्कान ठाकुर, यज्ञ कुमार ठाकुर, ट्विंकल शर्मा, मोहन चौहान, अभिनव शाह, प्रांजल सरकार, सबीर सरकार, शिल्पी विश्वास, जयदेव रेड्डी, संगम दुबे, ईश्वर नवरंगे, सुशील जगत, संतोष द्विवेदी, प्रदीप रावत, श्रीराम साहू, तेजेश्वरी साहू, हृदय साहू, प्रेमा देवांगन, लोकेश्वरी सिन्हा, हिमांशु संघनी, राजेश साहू, भूपेश धीरही, गगन तिवारी, शिवा, दीपांशु तिवारी, लक्ष्मी रजक एवं भूतपूर्व छात्र एवं पत्रकार जयदास मानिकपुरी मौजूद रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को पत्रकारिता के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव, फील्ड रिपोर्टिंग और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। विद्यार्थियों ने इस शैक्षणिक टूर को ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में ऐसे और शैक्षणिक भ्रमण आयोजित करने की मांग की।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

श्रम केंद्रित कारोबार में निवेश बढ़ाने की जरूरत

सरकार इस आकलन पर है कि पूंजी केंद्रित उद्योग पर्याप्त रोजगार पैदा नहीं कर रहे, जिससे बेरोजगारी बढ़ रही है। इसलिए अब श्रम केंद्रित कारोबार में निवेश बढ़ाने की जरूरत है। मगर मुद्दा है कि यह निवेश कौन करेगा? खबरों के मुताबिक श्रम केंद्रित कारोबार को खड़ा करना अब केंद्र की प्राथमिकता है। इसके लिए अगले बजट में खास प्रावधान किए जाएंगे। इस सोच के पीछे यह आकलन है कि पूंजी केंद्रित उद्योग पर्याप्त रोजगार पैदा नहीं कर रहे हैं, जिससे बेरोजगारी की समस्या गंभीर होती जा रही है। इसलिए अब श्रम केंद्रित कारोबार में निवेश बढ़ाने की जरूरत है। मगर मुद्दा है कि यह निवेश कौन करेगा? क्या औपचारिक क्षेत्र को श्रम केंद्रित उद्योग लगाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है?

नारी को अग्रणी स्थान देना समय की अनिवार्यता है।

स्त्रियों की आकांक्षाओं का आकाश अधूरा। सुसंस्कृत, शिक्षित नारी—राष्ट्र की धरोहर

सुसंस्कृत और शिक्षित नारी ही श्रेष्ठ समाज तथा सशक्त राष्ट्र की वास्तविक निर्मात्री है, क्योंकि स्त्री केवल परिवार की धुरी नहीं बल्कि सभ्यता की संवाहिका भी है, और भारत ही नहीं समूचे विश्व में वह अपने नैसर्गिक सम्मान की यथोचित हकदार है; किसी भी समाज का विकास तब तक पूर्ण नहीं हो सकता जब तक स्त्रियों को समान गरिमा, अवसर और निर्णय-सत्ता प्राप्त न हो, इसलिए परंपरागत मान्यताओं के पुनर्मूल्यांकन के साथ परिवार, समाज और राष्ट्र–तीनों स्तरों पर नारी को अग्रणी स्थान देना समय की अनिवार्यता है; भारतीय सांस्कृतिक चेतना में ÷नारी पूज्यन्ते÷ का उद्घोष केवल आस्था नहीं बल्कि दायित्व का स्मरण है, जहाँ शैलपुत्री से सिद्धिदात्री तक देवी के नौ स्वरूप अन्याय और आततायियों से रक्षा के प्रतीक रहे हैं, किंतु विडंबना यह है कि विश्वव्यापी पुरुष-प्रधान सामाजिक संरचना ने आदिम काल से आधुनिक युग तक स्त्री को स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार करने में संकोच किया, निर्णय के अधिकार सीमित रखे और संरक्षण की शर्तों में बाँधकर उसकी अस्मिता को संकुचित किया; भारतीय समाज में भी नीतिकारों की शाश्वत वकालत–कि स्त्री पिता, भाई, पति या पुत्र के संरक्षण में ही सामाजिक जीवन जिए–ने उसे व्यक्ति से पहले संबंध बना दिया, यहाँ तक कि धर्मशास्त्रीय उद्धरणों की रूढ़ व्याख्याएँ बालविवाह जैसी कुप्रथाओं का आधार बनीं, जबकि पश्चिमी तथाकथित आधुनिक समाज भी 1920 तक महिलाओं को व्यक्ति के रूप में मान्यता देने से वंचित रहा–इंग्लैंड में 1918 और अमेरिका में 1920 के बाद ही मताधिकार मिला–इसके विपरीत भारत में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा कॉर्नेलिया सोराबजी के वकालत आवेदन को व्यक्ति मानकर स्वीकार करना ऐतिहासिक कदम था, जो स्त्री की विधिक पहचान की दिशा में अग्रसरता का प्रमाण है; इसके बावजूद लंबे समय तक नारी को 'अबला' का दर्जा देकर अवैतनिक श्रम या उपभोग की वस्तु के रूप में देखने की मानसिकता हावी रही, जबकि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने नारी को पुरुष से अधिक सामर्थ्यवान मानते हुए उसे नर की सहचरी कहा और तस्लीमा नसरीन ने सटीक रूप से रेखांकित किया कि स्त्रियाँ जन्म से अबला नहीं होतीं, समाज उन्हें अपनी रूढ़ संस्कृति, प्रतिमानों और जीवन-शैली से अबला बनाता है; आधुनिक युग में नारीवाद, मानवाधिकारवाद और पर्यावरणवाद जैसे क्रांतिकारी विमर्शों ने बराबरी की चेतना को सशक्त किया, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस जैसे आयोजनों ने अधिकारों की माँग को वैश्विक स्वर दिया, और भारत की नारी ने स्वास्थ्य, इंजीनियरिंग, सेना, प्रशासन, परिवहन, विज्ञान और अंतरिक्ष तक कंधे से कंधा मिलाकर राष्ट्रनिर्माण में अपनी क्षमता सिद्ध की–श्रीमावो भंडारनायके, मार्गरेट थैचर, इंदिरा गांधी, गोल्डा मेयर से लेकर कमला हैरिस, निर्मला सीतारमण, स्मृति ईरानी, किरण बेदी और स्वर्गीय कल्पना चावला तक–ये नाम केवल उपलब्धियाँ नहीं, संभावनाओं के प्रतीक हैं; फिर भी कठोर यथार्थ यह है कि ग्रामीण भारत में महिला साक्षरता और भागीदारी सीमित है, शहरी क्षेत्रों में भी समानता, निजता और अवसरों तक पहुँच सबको नहीं, और महानगरों से लेकर दूरस्थ अंचलों तक नारी-उत्पीड़न की घटनाएँ चेतावनी देती हैं कि सशक्तिकरण की राह अभी लंबी है; ऐसे में शिक्षित और सजग स्त्रियों के साथ-साथ शासन-प्रशासन, समाज और पुरुषों को भी साझेदारी की जिम्मेदारी निभानी होगी, क्योंकि नारी का सम्मान किसी एक वर्ग का उपकार नहीं बल्कि राष्ट्र की नैतिक पूँजी है–और जब नारी सशक्त होगी, तभी समाज संतुलित और राष्ट्र समृद्ध होगा।

– संजीव ठाकुर।

भारत की पंचायतों के लिए यह समय नवाचार और उद्यमियों की तरह सोचने का है

सुशील कुमार लोहानी, रंजन घोष

1992 के 73वें संविधान संशोधन अधिनियम के साथ, ग्राम पंचायतों (जीपी) को जमीनी स्तर पर स्व-शासन के एक नए युग का सूत्रपात करने के लिए सशक्त बनाया गया। आशा थी कि वे वित्तीय रूप से सशक्त, राजनीतिक रूप से जिम्मेदार और नवोन्मेषी होंगे। हालांकि, तब से काफी प्रगति हुई है, लेकिन यह विज़न अब भी केवल आधा ही पूरा हुआ है। अनुच्छेद 243एच के तहत अपना राजस्व जुटाने का संवैधानिक अधिकार होने के बावजूद, अधिकांश ग्राम पंचायतें अब भी वित्तीय दृष्टि से राज्य और केंद्र सरकारों के हस्तांतरणों पर निर्भर हैं। पंचायती राज मंत्रालय (एमओपीआर) के नवीनतम आंकड़ों और राष्ट्रीय सार्वजनिक वित्त और नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) के 2025 के अध्ययन के अनुसार, स्व-संसाधन राजस्व (ओएसआर) पंचायत वित्त में केवल 6-7 प्रतिशत का ही योगदान देता है। शेष 93-94 प्रतिशत अब भी अनुदानों से आते हैं। यह निर्भरता पंचायतों के स्थानीय पहलों को कमजोर कर रही है। वे आत्मनिर्भर स्थानीय शासन के बजाय सरकार की योजनाओं को लागू करने वाली एजेंसी बन गए हैं। इसे बदलने का समय आ गया है, केवल टैक्स नियमों की समीक्षा ही नहीं की जानी चाहिए, बल्कि पंचायतों को उद्यमशील मानसिकता भी अपनानी चाहिए।

यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि वित्तीय नियंत्रण के बिना, ग्राम पंचायतें स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार योजना नहीं बना सकतीं या प्राथमिकता तय नहीं कर सकतीं। एनआईपीएफपी की रिपोर्ट बताती है कि जहाँ संपत्ति कर, उपयोगकर्ता शुल्क, या सामुदायिक संपत्ति के माध्यम से आर्थिक संभावनाएँ मौजूद हैं, वहां भी - नवाचार, डिजिटल प्रणाली और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी कार्य-प्रदर्शन को सीमित करती है। केरल, कर्नाटक और गोवा जैसे राज्यों का प्रति व्यक्ति ओएसआर अधिक है (क्रमशः 286, 148, और 1,635)। इनमें डिजिटल तरीके से टैक्स संग्रह और सामुदायिक भागीदारी भी है। दूसरी ओर, झारखंड, बिहार और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों का ओएसआर संग्रह लगभग नगण्य है। जैसा कि जोसेफ शुम्पेटर ने कहा है, उद्यमिता रचनात्मक परिवर्तन के बारे में है। पंचायतों के लिए, इसका मतलब है - निष्क्रिय संग्रह से सक्रिय सृजन की ओर बढ़ना। उन्हें स्वयं का फिर से आकलन करने, स्थानीय संपत्तियों से आय कमाने, सेवाओं को कुशलतापूर्वक प्रदान करने और आय को विकास में पुनः निवेश करने के तरीकों को खोजने की आवश्यकता है।

आईआईएम, अहमदाबाद (आईआईएम-ए) ने ओएसआर के संदर्भ में उद्यमिता की सर्वोत्तम प्रथाओं का दस्तावेज तैयार किया, इस दौरान कई सकारात्मक तथ्य सामने आए। उदाहरण के लिए, गुजरात के धरमज में, ग्राम पंचायत का वार्षिक बजट 5 करोड़ है, जिसकी आधी धनराशि स्थानीय रूप से प्राप्त आय से आती है। परती जमीन को बहुउद्देशीय पार्क में पुनर्विकसित करके, संपत्ति और जल टैक्स को डिजिटल रूप से एकत्र करके और अपने एनआरआई प्रवासियों के योगदान का लाभ उठाकर, इस गांव ने 2.5 करोड़ से अधिक का आरक्षित कोष तैयार कर लिया है। उत्तराखंड के सिरासु में, ग्राम पंचायत अपने दर्शनीय स्थलों में विवाह-पूर्व फोटो शूट के लिए नाममात्र शुल्क लेकर सालाना 15-20 लाख कमाती है। उन्होंने इसका उपयोग सौर प्रकाश और सड़कों के वित्तपोषण के लिए किया है। ओडिशा के मुकुंदपुरपटन में, ग्राम पंचायत की आय 2006 में 93,000 से बढ़कर 2018 में 36.78 लाख हो गई, जो मंदिर किराए, बाजार पट्टे और जिओ-टैग की गयी संपत्तियों के माध्यम से प्राप्त हुई। इन (और कई अन्य) ग्राम पंचायनों ने राज्य निधियों का इंतजार नहीं किया, बल्कि वे वित्तीय रूप से व्यावहारिक संस्थाओं में बदल गयीं।

फिर भी, इन उदाहरणों की संख्या बहुत कम है, जो आवश्यक बड़े बदलाव लाने के लिए पर्याप्त हो। अधिकतर पंचायतें कहाँ पीछे रह जाती हैं प्रमुख रूप से इसे राजनीतिक हिचक से जोड़ा जा सकता है, जो मतदाता के विरोध के डर से टैक्स लगाने से पीछे हट जाते हैं। कई ग्राम पंचायतेंअब भी संपत्ति का मूल्यांकन भौतिक रूप से (मैन्युअल) करते हैं, जिसमें खराब रिकॉर्ड और लागू करने की कमजोरप्रक्रिया के कारण मूल्यांकन बहुत कम होता है। उपयोगकर्ता शुल्क शायद ही कभी संशोधित किए जाते हैं। कुछ राज्यों में, शुल्क की अधिकतम सीमा में दशकों से बदलाव नहीं हुआ है। इसके परिणामस्वरूप एक निम्न आय, गतिहीन टैक्स आधार और निर्भरता की संस्कृति बनी हुई है। जैसा कि एनआईपीएफपी की रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है, वैधानिक वित्तीय सशक्तिकरण का कोई मतलब नहीं है, यदि वास्तविक रूप से संचालन से जुड़ी स्वतंत्रता न हो।

तकनीक धीरे-धीरे स्थिति को बदल रही है। तमिलनाडु का वीपी टैक्स पोर्टल संपत्ति और पेशेवर करों की वास्तविक समय में निगरानी की सुविधा देता है, जबकि झारखंड में पीओएस-सक्षम कर संग्रह ने दक्षता और पारदर्शिता में सुधार किया है। यदि ऐसी प्रणालियों को स्वामित्व के संपत्ति मानचित्रण से जोड़ा जाए, तो पंचायतों के राजस्व आधार का व्यापक रूप से विस्तार हो सकता है। कुछ व्यवहारिक प्रोत्साहन, जैसे समय पर टैक्स देने वालों को सार्वजनिक रूप से मान्यता देना या स्पष्ट परिणाम दिखाना (आपके टैक्स से इस सड़क का निर्माण हुआ) स्वैच्छिक अनुपालन भी बढ़ा सकते हैं। जब लोग टैक्स और ठोस सुधारों के बीच संबंध देखते हैं, तो प्रतिरोध कम होगा - और वित्तीय विश्वास बढ़ेगा।

ग्राम पंचायत कार्यकर्ताओं के लिए एक विशेष क्षमता निर्माण पहल को शुरू करने में पंचायती राज मंत्रालय की हाल की पहल, जो आईआईएम अहमदाबाद के सहयोग से की गई है, जमीनी स्तर पर ओएसआर की विशाल संभावनाओं को वास्तविकता में बदलने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। राज्यों का समर्थन करने के लिए, मंत्रालय ने एक डिजिटल प्लेटफार्म समर्थ भी विकसित किया है, जो पंचायतों के ओएसआर प्रबंधन के लिए डिजिटलीकरण की शुरू-से-अंत तक की प्रक्रिया को सुगम बनाता है। मंत्रालय राज्यों को ओएसआर नियमों को तैयार करने या संशोधित करने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहा है, ताकि पंचायतें अधिक प्रगतिशील और सशक्त बन सकें। चिन्हित पंचायतों की मदद करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं जिनका राजस्व संग्रह उच्च है या जो विकास केंद्रों के पास उप-शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं, ताकि उनके लिए व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य परियोजनाएं तैयार की जा सकें। हमें उम्मीद हैकि इन स्थानों में सही उद्यमी ऊर्जाएक सकारात्मक आर्थिक चक्र पैदा कर सकती है, जिसके गुणात्मक प्रभाव होंगे।

अब यह स्वीकार करने का समय आ गया है कि टैक्स दरों और क्षमता में सुधार करना महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल उद्यमशील सोच ही वास्तविक बदलाव ला सकती है। जैसा कि आईआईएम-ए के अध्ययन से पता चलता है, ऐसी ग्राम पंचायतें, जो चक्रीय आर्थिक मॉडल, जैसे बायोगैस और खाद संयंत्र, सौर ऊर्जा की बिक्री, सामुदायिक बाजार और ईको-पर्यटन आदि का उपयोग कर रही हैं, वे वित्तीय रूप से अधिक स्वतंत्र हैं और आगे बढ़ने की कोशिश कर रही हैं। इस प्रक्रिया को तेज करने के लिए, पंचायती राज मंत्रालय प्रदर्शन से जुड़े अनुदानों को बढ़ावा दे रहा है जो ओएसआर वृद्धि से जुड़ा है। इसके अलावा, चयनित ग्राम पंचायतों में वित्तीय साथी' (फिस्कल फेलो) की अवधारणा, जो वित्तीय योजना और डिजिटल एकीकरण में मदद कर सकती है, को भी आजमाया जा सकता है। 16वां वित्त आयोग भी - केवल प्रक्रियाओं का पालन करने के बजाय- पंचायतों को प्रोत्साहित कर सकता है, ओएसआरमें वृद्धि करने वालों को पुरस्कृत कर सकता है ।

ग्राम स्वराज का लंबे समय से संजोया गया सपना केवल इस बात से साकार नहीं होगा कि ऊपर से कितना धन आता है, बल्कि इस बात से साकार होगा कि ग्राम पंचायतें स्थानीय स्रोतों का कितने प्रभावी ढंग से उपयोग करती हैं। पंचायतों को लेखाकर्मी की तरह नहीं, बल्कि उद्यमियों की तरह सोचना चाहिए, अवसरों की पहचान करनी चाहिए, जोखिमों का प्रबंधन करना चाहिए और लाभ को समुदाय में पुनर्निवेश करना चाहिए। भारत का ग्रामीण परिवर्तन केवल नई योजनाओं से नहीं होगा - यह तब संभव होगा, जब इसके 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतें आय अर्जित करना सीखेंगीऔर जब स्थानीय शासन देश का सबसे जीवंत उद्यमी इकोसिस्टम बन जाएगा।

(लेखक एक आईएएस अधिकारी हैं और वर्तमान में भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय में अपर सचिव के रूप में कार्यरत हैं। लेखक आईआईएम-ए के संकाय सदस्य हैं और इसके कृषि प्रबंधन केंद्र के अध्यक्ष हैं।)

राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देकर संबंधों को मजबूत कर रहा भारत

एस. सुनील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के साथ भारत के संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह अटल' बताया। उन्होंने कहा कि 25 साल पहले राष्ट्रपति पुतिन ने ही साझेदारी की नई बुनियाद रखी थी और उसके बाद दुनिया के कितने संकट देखे, दोनों देशों ने कितने उतार चढ़ाव देखे फिर भी दोनों के संबंध स्थिर रहे। दोनों देशों ने अपने नागरिकों के बीच संबंधों को और प्रगाढ़ करने के साथ साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने के नए लक्ष्य तय किए।

रूस समय की कसौटी पर आजमाया हुआ भारत का दोस्त है। उसे सही अर्थों में भारत का सदाबहार दोस्त कह सकते हैं। अनगिनत मौकों पर रूस का वीटो संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के काम आया है। 1971 की लड़ाई के समय अमेरिका के सातवें बेड़े के सामने रूस की समुद्री ताकत भारत के काम आई थी। रूस की तकनीक से भारत की सेना मजबूत और सक्षम हुई है तो रूसी तकनीक से भारत कुडनकुलम में सबसे सफल तरीके से परमाणु ऊर्जा का उत्पादन कर रहा है। रूसी तेल व गैस ने न सिर्फ भारत की, बल्कि पूरी दुनिया की ऊर्जा स्थिरता सुनिश्चित की। उसी रूस के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की दोस्ती को एक नई ऊंचाई दी है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चार साल के बाद भारत की यात्रा पर आए तो जिस सहज अंदाज में प्रधानमंत्री से उनकी मुलाकातें हुईं और जितने मंचों पर दोनों ने अपनी बात रखी उससे कूटनीतिक, भू राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर दोनों की वैचारिक स्पष्टता और एक दूसरे के साथ सहयोग करने की सोच सामने आई। दोनों के बीच भरोसा ऐसा दिखा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की गाड़ी 'बीस्ट' से चार गुना ज्यादा सुरक्षित राष्ट्रपति पुतिन की गाड़ी पीछे पीछे चली और वे खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी गाड़ी में बैठ कर प्राइवेट डिनर के लिए गए।

दोपक्षीय संबंधों को लेकर राष्ट्रपति पुतिन ने बिल्कुल सही कहा कि वे सिर्फ तेल और गैस की बात करने भारत नहीं आए हैं। यह बात उन तमाम लोगों के लिए एक संदेश था, जो उनकी यात्रा से पहले अटकल लगा रहे थे कि रूस और भारत के बीच हजारों करोड़ रुपए के रक्षा सौदे होंगे या भारत तेल व गैस की खरीद का सौदा करेगा। यह कितनी बड़ी बात है कि राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा में कोई रक्षा सौदे होने की खबर नहीं आई। भारत एस 400 मिसाइल सिस्टम खरीद रहा है या एस 500 भी खरीदेगा और एसयू 57 लड़ाकू विमान भी खरीदेगा। परंतु राष्ट्रपति पुतिन की इस यात्रा में इस बारे में कोई नया समझौता नहीं हुआ।

पहले कहा जा रहा था कि राष्ट्रपति पुतिन अपना सामान बेचने भारत आ रहे हैं। परंतु इसका उलटा हुआ राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि वे भारत से रोजमर्रा की आवश्यकता की वस्तुओं और सेवाओं की खरीद बढ़ाने को तैयार हैं। यानी उन्होंने भारत से आयात बढ़ाने की सैद्धांतिक सहमति दी। रूस के साथ अगर भारत का आयात बढ़ता है तो निश्चित रूप से भारत के औद्योगिक और विनिर्माण सेक्टर में तेजी आएगी। ध्यान रहे अभी तक ज्यादातर देशों के साथ भारत का व्यापार घाटे में चलता है। अमेरिका एक बड़ा अपवाद है, जिससे भारत जितना सामान खरीदता है उससे दोगुने से ज्यादा बेचता है। हालांकि अब टैरिफ बढ़ने से अमेरिका को होने वाला आयात भी कम हुआ है और उसके बाद ही भारत अपने उत्पादों और सेवाओं के लिए दूसरे बाजार तलाश रहा था। अब रूस का बड़ा बाजार भारत को मिलने की गारंटी हो गई है।

राष्ट्रपति पुतिन की इस यात्रा में जिन अनेक विषयों पर सहमति बनी है उसमें एक विषय अपनी मुद्रा में कारोबार करने की भी है। ध्यान रहे डॉलर की बढ़ती कीमत के कारण भारत का आयात बिल बढ़ रहा है। डॉलर के लिए भारत को ज्यादा पैसे चुकाने पड़ रहे हैं। रूस के साथ रुपए में कारोबार होने से भारत के आयात बिल में बड़ा अंतर आएगा, जिससे व्यापार घाटा कम होगा। ऐसे ही दुनिया के अनेक पश्चिमी देश और पूर्व में भी ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में भारतीयों के प्रति घृणा अपराध में बढ़ोतरी हुई है और इन देशों ने वीजा के नियम भी सख्त किए हैं ताकि भारतीय छात्रों और पेशेवरों को आने से रोका जा सके।

रूस के साथ समझौते के बाद भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए रूस में नए अवसर बनेंगे। भारत और रूस के बीच हुए 23वें सालाना शिखर सम्मेलन में इस पर सहमति बनी है कि रूस में भारत के कुशल पेशेवरों को नौकरी मिलेगी। इसके लिए भारत और रूस के बीच स्किल्ड लेबर मोबिलिटी की संधि हुई है। इसी तरह से रूस भारतीय छात्रों के लिए भी अपने नियमों में ढील देगा। भारत भी रूस के नागरिकों को 30 दिन का मुफ्त वीजा देगा। यह भारत में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के काम आने वाला निर्णय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के साथ भारत के संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह अटल' बताया। उन्होंने कहा कि 25 साल पहले राष्ट्रपति पुतिन ने ही साझेदारी की नई बुनियाद रखी थी और उसके बाद दुनिया के कितने संकट देखे, दोनों देशों ने कितने उतार चढ़ाव देखे फिर भी दोनों के संबंध स्थिर रहे। दोनों देशों ने अपने नागरिकों के बीच संबंधों को और प्रगाढ़ करने के साथ साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने के नए लक्ष्य तय किए। दोनों देशों के बीच दोपक्षीय कारोबार को 2030 तक एक सौ अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह अभी 64 अरब डॉलर सालाना पर है। लेकिन इसमें तेजी से बढ़ोतरी हो रही है और प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि लक्ष्य भले 2030 का है लेकिन इसे पहले ही हासिल कर लिया जाएगा।

यानी दोनों देशों के बीच कारोबार अगले एक दो साल में ही एक सौ अरब डॉलर की सीमा पार कर जाएगा। राष्ट्रपति पुतिन की इस यात्रा के दौरान हुए समझौतों की इसमें बड़ी भूमिका होगी। उनकी इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम समझौते हुए। इसमें साझा तौर पर जलपोतों के निर्माण से लेकर शिपिंग लेन में निवेश और परमाणु ऊर्जा व महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़े समझौते शामिल हैं। दोनों देशों के बीच खाद उत्पादन को लेकर करार हुआ तो मीडिया के क्षेत्र में भी पांच करार हुए। भारत में रूसी चैनल आरटी को राष्ट्रपति पुतिन ने लॉन्च किया। रूस के नेतृत्व वाले यूरेशिया इकोनॉमिक फोरम के साथ भारत की व्यापार संधि पर भी सहमति बनी है। इससे भारत के लिए एक बड़ा बाजार खुल सकता है।

गौरतलब है कि भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों के लिए तेल के आयात पर निर्भर है। लेकिन इस निर्भरता को कम करने और भारत के नागरिकों को स्वच्छ ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है। इस प्रतिबद्धता को पूरा करने में रूस बड़ी भूमिका निभाएगा। भारत आते ही राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि तमिलनाडु के कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र को उसकी पूरी क्षमता तक पहुंचाने में रूस पूरी मदद करेगा। ध्यान रहे यह ऊर्जा संयंत्र रूस के सहयोग से बना है। इसके दो रिएक्टर काम करने लगे हैं, जबकि चार रिएक्टरों पर काम चल रहा है। तीसरे रिएक्टर के लिए रूसी ईंधन की आपूर्ति शुरू हो गई है और राष्ट्रपति पुतिन ने कहा है कि जल्दी ही सारे रिएक्टर शुरू होंगे। अगर सारे रिएक्टर शुरू हो जाते हैं तो तमिलनाडु के साथ साथ पड़ोसी राज्यों कर्नाटक, केरल और पुडुचेरी को इसका बड़ा लाभ मिलेगा। राष्ट्रपति पुतिन ने भारत को तेल और गैस की निर्बाध आपूर्ति जारी रखने का भी वादा किया।

समस्त व्यापार समझौतों और राष्ट्रपति पुतिन के सद्भाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन युद्ध पर भी बात की और शांतिपूर्ण समाधान की आवश्यकता बताई। उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन के सामने कहा कि भारत तटस्थ नहीं है, बल्कि शांति के पक्ष में है। यह मामूली बात नहीं है। इससे पहले भी प्रधानमंत्री ने यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध को लेकर कहा था कि यह युद्ध का समय नहीं है। जो बात राष्ट्रपति पुतिन के सामने कहने से बड़े बड़े राष्ट्राध्यक्ष हिचक रहे हैं वह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कही।

उन्होंने बताया कि भारत हमेशा शांति का पक्षधर रहा है। निश्चित रूप से यह भारत की कूटनीति और वैश्विक आर्थिक नीति का नया दौर है। टैरिफ के जरिए भारत को वैश्विक स्तर पर कॉर्नर करने का प्रयास हुआ तो भारत ने नए रास्ते बनाए हैं। व्यापार के लिए नए बाजार तलाशे हैं तो अपनी ऊर्जा जरुरतों को पूरा करने के भी नए उपाय खोजे हैं। नए दौर की कूटनीति में भारत ने दिखाया है कि अपने सारे हित किसी एक देश या किसी एक संगठन के साथ नहीं जोड़े जा सकते हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों, नागरिकों की आवश्यकताओं और ऊर्जा जरुरतों के लिए अलग अलग संधियां कर सकता है।

ऐसा नहीं है कि भारत ने रूस के साथ दोस्ती को मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है तो यह किसी दूसरे देश के खिलाफ है। हर देश के साथ भारत के संबंध एक दूसरे के साझा हितों की वजह से जुड़े हुए हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि भारत और चीन उनके दो सबसे करीबी दोस्त देश हैं। उनके दृष्टिकोण से यह बात सही होगी लेकिन चीन के साथ भारत के संबंध इससे तय नहीं होंगे, बल्कि चीन के साथ भारत के संबंध अपने हितों के आधार पर तय होंगे।

इसी तरह अगर यूरोपीय संघ या अमेरिका के साथ रूस के संबंध अच्छे नहीं हैं तो उससे भारत का संबंध तय नहीं होगा। भारत ने ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार संधि की है और यूरोपीय संघ के साथ भी वार्ता चल रही है। अमेरिका के साथ भी जल्दी ही भारत की व्यापार संधि होगी। इस तरह नए भारत ने दिखाया है कि वह अब किसी एक देश या एक संगठन के भरोसे नहीं है, बल्कि एक महाशक्ति की तरह अपनी नीतियां खुद तय करने में सक्षम है। भारत उसी तरह से अपनी वैश्विक आर्थिक नीति और भू राजनीति से जुड़ी नीतियां तय कर रहा है, जैसे अमेरिका और चीन जैसी महाशक्तियां करती हैं। भारत अपने दोस्त चुन रहा है और अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देकर उनके साथ संबंधों को मजबूत कर रहा है।

ट्रंप का पुतिन से पुराना याराना व साठगांठ

हरिशंकर व्यास

दिसंबर में पुतिन, जनवरी में शायद ट्रंप और फिर शी जिनपिंग के गले लगना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नियति है। इन तीनों विश्व नेताओं के लिए नरेंद्र मोदी इसलिए उपयोगी हैं क्योंकि भारत कमाई का बाजार है। बाजार भी ऐसा, जिसमें कुछ भी, मनचाहे दाम पर बेचा जा सकता है। भारत में चीन के सस्ते और घटिया उत्पादों की भी खपत है तो रूस के दोयम दर्जे के हथियार भी उसकी आवश्यकता है। वही अमेरिकी सोशल मीडिया से लेकर मैकडोनाल्ड, केएफसी, पेप्सी, कोक सब तो गरीब, मध्य वर्ग, अमीर भारतीयों की भूख है!

इसलिए जो ज्ञानी, कूटनीतिज्ञ, विशेषज्ञ पुतिन की भारत यात्रा से भूराजनीति, सुरक्षा, सामरिक रिश्तों में करवट या डोनाल्ड ट्रंप को जवाब जैसी बड़ी बातें बोल रहे हैं वह सब फालतू है। पुतिन से सिर्फ भारत खरीदेगा। भारत-रूस की दोस्ती से भारत की सामरिक-भूराजनीतिक गणित में रत्ती भर इजाफा नहीं है।

वह वक्त अलग था जब सोवियत संघ तथा चीन में झगड़ा था, उनकी सीमा पर तनाव था। पर तब भी (1962 में चीन के हमले के समय) भी सोवियत संघ याकि रूस भारत की मदद के लिए नहीं दौड़ा था। तब ब्रिटेन, अमेरिका से ही इमरजेंसी सप्लाई थी। सोवियत संघ के बिखराव के बाद का रूस अब पुतिन राज से यूक्रेन युद्ध के चलते चीन का मोहरा सा है तो कल्पना करें कि यदि चीन ने अरूणाचल को हड़पने की सैनिक कार्रवाई की तो पुतिन क्या भारत की मदद में दौड़ेंगे?

हां, पाकिस्तान हो या बांग्लादेश, नेपाल या श्रीलंका मतलब पूरे दक्षिण एशिया की भूराजनीति में अब चीन की बिसात में रूस, भारत का नहीं बल्कि चीन का प्यादा है और रहेगा। यही मायने वाला सत्य है। पर पश्चिमी दुनिया में अछूत हुए रूस के लिए भारत की उपयोगिता भारी है। भारत उससे तेल, हथियार सब खरीदता है और इस व्यापार में उसे मुनाफा ही मुनाफा है। साथ ही भारत अहसान मानते हुए वैश्विक मंचों, संयुक्त राष्ट्र में रूस को लेकर तटस्थ या समर्थक होता है। तभी भारत-रूस की दोस्ती न केवल पुरानी है, बल्कि टिकाऊ है।

जाहिर है मौजूदा रिश्ते भारत के उस बाजार के हित से हैं, जिससे एक तरफ भारत की हथियार-ईंधन आवश्यकता पूरी होती है तो दूसरी तरफ रूस के लिए मुनाफे के नाते भारत के एकाधिकारी बाजार का स्थायी मौका है।

वही अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप भारत के बाजार को अपनी शर्तों में ढलवाने के लिए उस पर इन दिनों टैरिफ शिकंजा बनाए हुए हैं। तथ्य है कि रूस और चीन भारत के बाजार में बेइंतहां मुनाफा कमाते हैं वही अमेरिका हमेशा से घाटे में रहा है। उसकी यह स्थिति चीन के साथ व्यापार में भी है लेकिन चीन को अमेरिका झुका नहीं सकता। तभी ट्रंप ने चीन से समझौता किया है। मगर वे भारत को झुकाने पर आमादा हैं। फालतू बात है कि भारत के पुतिन कार्ड से ट्रंप घबराएंगे। मेरा मानना है कि जनवरी-फरवरी में मोदी सरकार ट्रंप प्रशासन के साथ करार कर लेगी। उससे संभव है यह हेडलाइन बनवाई जाए कि पुतिन के साथ कूटनीति से प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप प्रशासन को मजबूर किया। जबकि असलियत में ट्रंप का पुतिन से पुराना याराना व साठगांठ है।

बहरहाल, इससे सर्वाधिक फायदे में चीन और शी जिनपिंग है। कोई न माने इस तथ्य को लेकिन कूटनीतिक-भूराजनीतिक-व्यापारिक पैमानों सभी में सन् 2025 का वर्ष इतिहास में चीन के अमेरिका के बराबर आ खड़े होने के ऐतिहासिक वर्ष के रूप में जिक्र होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी मूर्खताओं में चीन को बराबरी की महाशक्ति बना दिया है। और सोचें चीन की नई वैश्विक क्षत्रपता में रूस क्या है? उसका एक मोहरा। और भारत क्या है? चीन, रूस और अमेरिका तीनों का एक कैप्टिव बाजार! क्या नहीं?

मन की शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए ध्यान अत्यंत महत्वपूर्ण : उपराष्ट्रपति

सच्चे विकास में भावनात्मक और आध्यात्मिक कल्याण शामिलः उपराष्ट्रपति

भारत की आध्यात्मिक परंपराएं विश्व का मार्गदर्शन करती हैंः उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने ध्यान को वैश्विक स्तर पर फैलाने में 'दाजी' के योगदान की सराहना की

पीआईबी

भारत के उपराष्ट्रपति, श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज तेलंगाना के कान्हा शांति वनम में आयोजित 'विश्व ध्यान दिवस' समारोह में भाग लिया और मन की शांति, भावनात्मक कल्याण तथा सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में ध्यान की शाश्वत प्रासंगिकता पर विशेष बल दिया।

सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ध्यान एक सार्वभौमिक पद्धति है जो सांस्कृतिक, भौगोलिक और धार्मिक सीमाओं से परे है। उन्होंने इसे मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक स्थिरता और आंतरिक परिवर्तन के मार्ग के रूप में वर्णित किया और इस बात पर जोर दिया कि 'विश्व ध्यान दिवस' आधुनिक जीवन में चिंतन के बढ़ते महत्व को पहचानने का एक अवसर देता है। उपराष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव को सह-प्रायोजित करने में भारत की भूमिका का उल्लेख किया, जिसके तहत 21 दिसंबर को 'विश्व ध्यान दिवस' घोषित किया गया था। उन्होंने कहा, विश्व ध्यान दिवस से मानसिक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने में ध्यान की शक्ति को वैश्विक मान्यता मिली है। इस अवसर पर उन्होंने ध्यान के अभ्यास को विश्व भर में फैलाने के लिए 'दाजी' के योगदान की सराहना की और कहा कि ध्यान, योग और आध्यात्मिक खोज की अपनी सदियों पुरानी परंपराओं के साथ भारत आज भी विश्व को शाश्वत ज्ञान प्रदान कर रहा है।

भारत की सांस्कृतिक विरासत का ज़िक्र करते हुए श्री राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे देश में ध्यान को हमेशा से मन और आत्मा का एक प्राचीन विज्ञान माना गया है, जिसे ऋषियों-मुनियों ने आगे बढ़ाया है। भगवदगीता और तमिल के महान ग्रंथ 'तिरुमंथिरम' की सीख का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ध्यान के ज़रिए मन पर काबू पाने से ही इंसान को आंतरिक शांति मिलती है, वह खुद को बेहतर ढंग से समझ पाता है और एक अच्छा जीवन जी पाता है।

उपराष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्य को पाने में ध्यान की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि देश के विकास का मतलब सिर्फ आर्थिक तरक्की ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक उत्थान भी होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि ध्यान के जरिए हम एक ऐसा समाज बना सकते हैं जहाँ शांति हो, लोग मुश्किलों का सामना करने की ताकत रखें और एक-दूसरे के प्रति सद्भाव रखें।

मिशन लाइफ' के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ध्यान से जागरूकता, जिम्मेदारी और प्रकृति के साथ तालमेल जैसे गुण विकसित होते हैं, जो स्थायी जीवन जीने के लिए बहुत जरूरी हैं। उन्होंने पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के लिए 'कान्हा शांति वनम' की सराहना की।

नागरिकों से ध्यान को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए, श्री राधाकृष्णन ने लोगों, परिवारों और समाज से आग्रह किया कि वे खुद इसका उदाहरण बनें। उन्होंने कहा कि हमें आने वाली पीढ़ियों को भी उन पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए जो मानसिक शांति, संतुलन और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं।

समारोह में तेलंगाना के राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा, तेलंगाना सरकार के मंत्री श्री डी. श्रीधर बाबू, हार्टफुलनेस मेडिटेशन के आध्यात्मिक मार्गदर्शक दाजी कमलेश डी. पटेल और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। साथ ही, कान्हा शांति वनम में आयोजित इस सामूहिक ध्यान सत्र में हजारों की संख्या में लोग भी शामिल हुए।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने सुंदरबन में एनटीसीए और प्रोजेक्ट एलिफेंट की बैठकों की अध्यक्षता की; बाघ और हाथी के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय रणनीतियों की समीक्षा की

बाघ संरक्षण योजनाओं को मंजूरी दी गई और चीता परियोजना के विस्तार का मूल्यांकन किया गया; मानव-वन्यजीव संघर्ष समाप्ति और अखिल भारतीय बाघ गणना के छठे चक्र की समीक्षा

परियोजना हाथी संचालन समिति ने हाथियों की गणना, संघर्ष प्रबंधन की समीक्षा की और विज्ञान-आधारित, समुदाय-केंद्रित संरक्षण दृष्टिकोणों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

पीआईबी

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की 28वीं बैठक और परियोजना हाथी की 22वीं संचालन समिति की बैठक 21 दिसंबर 2025 को पश्चिम बंगाल के सुंदरबन बाघ अभ्यारण्य में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इन बैठकों में बाघ और हाथी बहुल राज्यों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, वैज्ञानिकों और क्षेत्र विशेषज्ञों के साथ-साथ प्रमुख संरक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने परियोजना बाघ और परियोजना हाथी की प्रगति की समीक्षा करने और भारत में बाघों और हाथियों के संरक्षण के लिए भावी रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए भाग लिया।

एनटीसीए की बैठक की अध्यक्षता करते हुए, श्री यादव ने भारत के विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त बाघ संरक्षण मॉडल पर जोर दिया और विज्ञान-आधारित प्रबंधन, भू-भाग स्तर की योजना, सामुदायिक भागीदारी, अंतर-राज्यीय समन्वय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व का उल्?लेख किया।

18 अप्रैल 2025 को आयोजित 27वीं बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई और उसमें लिए गए निर्णयों पर कार्रवाई रिपोर्ट की समीक्षा की गई। चार क्षेत्रीय बैठकों के परिणामों पर चर्चा की गई जिसमें बाघ अभ्यारण्यों के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों पर विशेष ध्यान दिया गया। मानव-बाघ संघर्ष से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई जिसमें एक त्रिपक्षीय रणनीति और 'बाघ अभ्यारण्यों के बाहर बाघों का प्रबंधन' परियोजना का शुभारंभ शामिल है। कर्मचारियों की कमी, वित्तीय बाधाओं, पर्यावास क्षरण और आक्रामक प्रजातियों के प्रबंधन से संबंधित मुद्दों की भी समीक्षा की गई और राज्यों तथा संबंधित अधिकारियों को उचित अनुवर्ती कार्रवाई के लिए निर्देश जारी किए गए।

इस बैठक में एनटीसीए की तकनीकी समिति की बैठकों के निर्णयों की पुष्टि की गई जिनमें बाघ संरक्षण योजनाओं की स्वीकृति; चीता परियोजना का विस्तार और विकास; बाघों का स्थानांतरण; शिकार संवर्धन; भूदृश्य प्रबंधन योजना; मांसाहारी जानवरों के स्वास्थ्य प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम; और राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की स्थायी समिति को परियोजना प्रस्तावों पर एनटीसीए द्वारा दिए गए सुझाव शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 23–24 दिसंबर, 2025 को 'पेसा महोत्सव' का भव्य आयोजन किया जाएगा

पीआईबी। पंचायती राज मंत्रालय द्वारा पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 (पेसा) के लागू होने की वर्षगांठ के अवसर पर लोक संस्कृति के उत्सव के रूप में दो दिवसीय 'पेसा महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। यह महोत्सव 23 और 24 दिसंबर, 2025 को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित होगा। पेसा अधिनियम की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 24 दिसंबर को 'पेसा दिवस' भी मनाया जाएगा। आंध्र प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री एवं पंचायती राज और ग्रामीण विकास मंत्री श्री कोनिदाला पवन कल्याण महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। पंचायती राज मंत्रालय के केंद्रीय सचिव विवेक भारद्वाज इस अवसर पर केंद्र तथा राज्य सरकारों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। इस आयोजन में पंचायत प्रतिनिधियों, खिलाड़ियों और सांस्कृतिक कलाकारों सहित सभी 10 पेसा राज्यों से लगभग 2,000 प्रतिनिधियों के भाग लेने की आशा है।

Truhome FINANCE

टूहोम फाइनेंस लिमिटेड

(पूर्व नाम श्रीराम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड)

मांग सूचना

पंजीकृत कार्यालयः श्रीनिवास टॉवर, पहली मंजिल, दरवाजा नंबर 5, पुराना नंबर 11, दूसरी लेन, सेनाटोफा रोड, अलवरपेट, तेनाम्पेट, चेन्नई-600018 **मुख्य कार्यालय**: लेवल 3, वॉकहार्ट टॉवर्स, ईस्ट विंग सी-2 ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (ई कासी), मुंबई-400051 **वेबसाइट**: www.truhomefinance.in

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित उधारकर्ता/उधारकर्ताओं ने टूहोम फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में श्रीराम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड) से प्राप्त ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज की अदायगी में चूक की है और उक्त ऋण खातों को गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्हें प्रतिभूतिकरण और वित्तीय आस्तियों के पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (SARFAESI ACT) की धारा 13(2) के अंतर्गत उनके अंतिम ज्ञात पते पर मांग नोटिस जारी किया गया था। उक्त मांग नोटिस के अतिरिक्त, उन्हें इस सार्वजनिक नोटिस के माध्यम से सूचित किया गया है।
उधारकर्ताओं, प्रतिभूतियों, बकाया राशि, धारा 13(2) के अंतर्गत भेजे गए मांग नोटिस और उसके अंतर्गत दावा की गई राशि का विवरण निम्नानुसार है।-

उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/ नाम और पता	सुरक्षित परिसंपत्तियों का संपत्ति पता	डिमांड नोटिस दिनांक एवं देय राशि रु. में.
1. एम/एस. चांदने पोल्ट्री फार्म (प्रो. श्री धनीराम चांदने) (उधारकर्ता) 2. श्री धनीराम चांदने पुत्र श्री शंकर लाल चांदने (सह-उधारकर्ता) 3. श्रीमती संगीता चांदने पत्नी श्री धनीराम चांदने (सह-उधारकर्ता) पता - जय स्तंभ चौक, वार्ड नंबर 17, ग्राम लावार, पोस्ट कोनी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ - 495551 इसके अलावा मकान नंबर 277, वार्ड नंबर 17, ग्राम लावर, पोस्ट कोनी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ - 495551 ऋण राशि - रु. 15,90,000/- ऋण खाता संख्या - SLPHRAIP0000224 एनपीए दिनांक 13.04.2025	अचल संपत्ति के सभी टुकड़े और खंड, परिवर्तित भूमिस्वामी भूमि पर आवासीय घर, खसरा नंबर 146, ग्राम लावार, पी.एच. नंबर 25, आरआई सर्कल सीपत, तहसील मस्तूरी, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ - 495551, माप क्षेत्र 1740 वर्ग फीट। सीमा: उत्तर:- बेसिनबई की भूमि दक्षिण:- सुदिनराम की भूमि पूर्व:- गली पश्चिम:- लेखाराम की भूमि	डिमांड नोटिस की तारीख- 15/12/2025 17,41,192/- (सत्रह लाख इकतालीस हज़ार एक सौ बानवे रुपये मात्र) दिनांक 09/12/2025 तक, साथ में आगे का ब्याज, आकस्मिक खर्च, लागत आदि।
1. श्री मोहन साहू पुत्र श्री गोपाल साहू (उधारकर्ता) 2. श्रीमती सरस्वती साहू पत्नी श्री गोपाल साहू (सह-उधारकर्ता) पता - रतन कॉलोनी, महिमासागर वार्ड नंबर 21, नाहर नाका चौक, धमतरी, छत्तीसगढ़- 493773 इसके अलावा मोहन किराना स्टोर, दानीटोला, नाहर नाका चौक, अछोटा, धमतरी, छत्तीसगढ़ - 493773 ऋण राशि - रु. 27,69,259/- ऋण खाता संख्या - SHLHRAIP0000507 एनपीए दिनांक 04.12.2025	अचल संपत्ति का पूरा टुकड़ा और हिस्सा, 1000 वर्ग फुट ज़मीन और आवासीय मकान, खसरा नंबर 2408/52 के हिस्से पर, गाँव धमतरी, दानीटोला खार पी. एच. नंबर 33, आरआई सर्कल धमतरी, तहसील धमतरी, जिला धमतरी, छत्तीसगढ़। क्षेत्रफल 1000 वर्ग फुट। सीमाएँ: उत्तर:- रास्ता, दक्षिण:- विक्रेता की ज़मीन, पूर्व:- रास्ता, पश्चिम:- विक्रेता की ज़मीन	डिमांड नोटिस तारीख- 15/12/2025 रु. 31,17,233/- (इकतीस लाख सत्रह हज़ार दो सौ तैंतीस रुपये मात्र) दिनांक 09/12/2025 तक, साथ में आगे का ब्याज, आकस्मिक खर्च, लागत आदि।
1. श्री राकेश होतवानी पुत्र श्री राजकुमार होतवानी (उधारकर्ता) 2. श्री गोपी होतवानी पुत्र श्री राजकुमार होतवानी (सह-उधारकर्ता) 3. श्री विजय कुमार होतवानी पुत्र श्री राजकुमार होतवानी (सह-उधारकर्ता) 4. श्री सचिन कुमार होतवानी पुत्र श्री राजकुमार होतवानी (सह-उधारकर्ता) पता - 22, हनुमान नगर, कालीबाड़ी, होली क्रॉस स्कूल के पास, बिंद्रावनगढ़, रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 इसके अलावा - विजय गारमेंट्स, क्लॉथ लेन, गोले बाजार, रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 ऋण राशि - रु. 71,53,925/- ऋण खाता संख्या - SMLHRAIP0000338 एनपीए दिनांक - 04.12.2025	अचल संपत्ति का पूरा टुकड़ा और हिस्सा, आवासीय मकान/प्लॉट नंबर 22, श्री हनुमान गृह निर्माण सहकारी समिति, बैरन बाज़ार, रायपुर, तहसील और जिला रायपुर, छत्तीसगढ़। क्षेत्रफल 1500 वर्ग फुट।	डिमांड नोटिस तारीख- 15/12/2025 रु. 78,59,514/- (अठहत्तर लाख उनसठ हज़ार पाँच सौ चौदह रुपये मात्र) दिनांक 10/12/2025 तक, साथ में आगे का ब्याज, आकस्मिक खर्च, लागत आदि।
1. श्री रवि वैष्णव पुत्र श्री लक्ष्मण दास वैष्णव (उधारकर्ता) 2. श्रीमती साधना वैष्णव पत्नी श्री रवि वैष्णव (सह-उधारकर्ता) पता मकान नंबर एलआईजी 23, दीन दयाल नगर, वार्ड नंबर 6, चिखली, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़- 491441 ऋण राशि - रु. 41,65,162/- ऋण खाता संख्या - SLPHRAIP0000316 एनपीए दिनांक - 04.12.2025	प्रॉपर्टी 1 - अचल संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा और पार्सल लीजहोल्ड आवासीय मकान नंबर LIG - 23, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, चिखली कॉलोनी, राजनांदगांव, तहसील और जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़। क्षेत्रफल 99.20 वर्ग मीटर (1067.39 वर्ग फुट)। सीमाएँ: उत्तर:- LIG 24, दक्षिण: सड़क, पूर्व:- LIG प्लॉट, पश्चिम:- सड़क प्रॉपर्टी 2 - अचल संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा और पार्सल लीजहोल्ड आवासीय अतिरिक्त प्लॉट मकान नंबर LIG - 23 के पास, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, चिखली कॉलोनी, राजनांदगांव, तहसील और जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़। क्षेत्रफल 65 वर्ग मीटर (699.40 वर्ग फुट)। सीमाएँ: उत्तर:- अतिरिक्त प्लॉट दक्षिण:- निजी भूमि, पूर्व:- नाला पश्चिम:- मकान नंबर LIG-23 प्रॉपर्टी 3- अचल संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा और पार्सल लीजहोल्ड आवासीय अतिरिक्त प्लॉट मकान नंबर LIG - 23 के पास, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, चिखली कॉलोनी, राजनांदगांव, तहसील और जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़। क्षेत्रफल 46.41 वर्ग मीटर (499.37 वर्ग फुट)। सीमाएँ: उत्तर:- LIG 23 अतिरिक्त प्लॉट दक्षिण:- निजी भवन पूर्व:- नाले का हिस्सा, पश्चिम:- मकान नंबर LIG-23	डिमांड नोटिस तारीख- 15/12/2025 रु. 45,25,151/- (सैंतालीस लाख पच्चीस हज़ार एक सौ इक्यावन रुपये मात्र) दिनांक 09/12/2025 तक, साथ में आगे का ब्याज, अन्य खर्च, लागत आदि।
1. श्री लव कुश पुत्र श्री करतार सिंह (कर्जदार) 2. श्रीमती लोकेश्वरी पत्नी श्री लव कुश (सह-कर्जदार) पता दीनदयाल रोड, व्हाइट हाउस के पास, मंगला, बिलासपुर, छत्तीसगढ़- 495001 अन्य पता - वार्ड नंबर 03, बजरंग किराना स्टोर के पास, व्हाइट हाउस के पीछे, आनंद नगर, उसलापुर, सकरी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़- 495001 ऋण राशि 9,44,500/- रुपये ऋण खाता संख्या - SHLHBILA0000279 NPA तारीख - 04.12.2025	अचल संपत्ति का वह पूरा टुकड़ा और हिस्सा जो भूमिस्वामी की ज़मीन/प्लॉट है, प्लॉट नंबर 97 का हिस्सा, खसरा नंबर 370/2 का हिस्सा (खसरा नंबर 370/2 के कुल 5232 वर्ग फुट क्षेत्रफल में से 1191 वर्ग फुट), शीट नंबर 10, मौजा - मंगला, पी. एच. नंबर 35, आरआई सर्कल सरकंडा, तहसील और जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ 495001, जिसका क्षेत्रफल 1191 वर्ग फुट है। सीमाएँ: उत्तर:- धुरी की ज़मीन दक्षिण:- प्रमोद पटेल की ज़मीन पूर्व:- रास्ता, पश्चिम:- सुमैया की ज़मीन	डिमांड नोटिस तारीख- 15/12/2025 रु. 10,05,793/- (दस लाख पाँच हज़ार सात सौ तिरानवे रुपये मात्र) दिनांक 09/12/2025 तक, साथ में आगे का ब्याज, अन्य खर्च और लागत आदि।

इसलिए आप उधारकर्ताओं से अनुरोध है कि आप इस नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर ऊपर उल्लिखित बकाया राशि का भुगतान करें, साथ ही भुगतान की प्राप्ति की तिथि तक ब्याज और दंडात्मक ब्याज भी दें, जो देय हो सकता है, ऐसा न करने पर नीचे हस्ताक्षरकर्ता को उपरोक्त प्रतिभूतियों को लागू करने के लिए SARFAESI अधिनियम के तहत कार्रवाई करने के लिए बाध्य किया जाएगा। कृपया ध्यान दें कि उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के अनुसार, आपको हमारी सहमति के बिना बिक्री, पट्टे या अन्यथा के माध्यम से उपरोक्त संदर्भित प्रतिभूतियों को स्थानांतरित करने से रोका जाता है।

स्थान: रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव और धमतरी
दिनांक: 22-12-2025

हस्ताक्षर/- अधिकृत अधिकारी- टूहोम फाइनेंस लिमिटेड
(पहले श्रीराम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)

डॉ. मनसुख मांडविया ने पुडुचेरी में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल की पहली वर्षगांठ के समारोह का नेतृत्व किया

रॉक बीच पर 1,500 से अधिक प्रतिभागियों ने साइकिल चलाई

पुडुचेरी के उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन एवं मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने खेल रत्न पुरस्कार विजेता शरथ कमल और पीआर श्रीजेश के साथ इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लिया

पीआईबी

केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने पूरे एक वर्ष के अनुभव को एक संक्षिप्त अपडेट में बताया। उन्होंने इस रविवार की सुबह एक्स पर लिखाः ÷2 लाख से अधिक स्थान, 20 लाख से अधिक लोग। एक मिशन - फिट इंडिया। ष्स्न्ह्वठ्ठस्त्रड्ड4ह्यह्रठ्ठष्4ष्द्यद्ग के एक वर्ष पूरा होने का उत्सव मना रहे है।÷

स्कूल के विद्यार्थियों, नमो साइकिलिंग क्लब, पुडुचेरी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों तथा कई अन्य लोगों सहित जीवन के विभिन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 1500 से अधिक साइकिल चलाने वालों ने पुडुचेरी के खूबसूरत रॉक बीच को फिटनेस के एक जीवंत उत्सव में बदल दिया; जोकि इस आंदोलन के बढ़ते राष्ट्रीय महत्व और देश में साइकिल चालन के प्रति बढ़ते प्रेम को दर्शाता है।

पद्म भूषण से सम्मानित व खेल रत्न पुरस्कार विजेता पी. आर. श्रीजेश और शरथ कमल युवाओं के साथ साइकिल चलाकर प्रतिभागियों को खेल तथा फिटनेस को अपनाने के लिए प्रेरित किया। हर मामले में, पुडुचेरी में आयोजित फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल की पहली वर्षगांठ का यह विशिष्ट संस्करण पूरी तरह से फिटनेस कार्निवल जोन बन गया क्योंकि जुम्बा, कैरम, शतरंज, मल्लखंब, सिलांबम, योग, रस्सी कूद जैसे कई मजेदार खेल एवं गतिविधियां भी आकर्षण का केन्द्र रहीं। संयोग से, 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस होने के कारण, सामूहिक रूप से यह संदेश भी दिया गया कि फिटनेस वास्तव में गति में ध्यान है! आज पुडुचेरी में रविवार सुबह की सभा में उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन, मुख्यमंत्री एन. रंगासामी, विधानसभा अध्यक्ष आर. सेल्वम और पुडुचेरी के गृह मंत्री ए. नमस्सिवयम और अन्य प्रतिष्ठित सरकारी अधिकारी शामिल थे। साथ ही, माननीय केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया भी मौजूद थे - जिन्होंने एक वर्ष पहले नई दिल्ली में पहले आयोजन को हरी झंडी दिखाई थी।

दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री नवंबर में सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 18 लाख यूनिट्स हो गई है। यह जानकारी जारी एक रिपोर्ट में दी गई। आईसीआरए की रिपोर्ट में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री में मजबूत बढ़त की वजह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती और कंपनियों की ओर से डीलरों को दिए जाने वाले ऑफर्स को बताया है, जिससे त्योहारी मौसम के बाद शोरूम में ग्राहकों की आवाजाही बनी रही और डीलर्स इन्वेंट्री को फिर से भरने के लिए आकर्षित हुए। रेटिंग्स फर्म ने कहा कि वित्त वर्ष 26 दोपहिया वाहनों की वॉल्यूम ग्रोथ 6-9 प्रतिशत बढ़ सकती है। इसे जीएसटी में कटौती, शहरी खपत में बढ़ोतरी और सामान्य मानसून से ग्रामीण मांग में रिकवरी में मदद मिलेगी।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार समर्थित तंत्र युवा उद्यमियों को कम निवेश में लेकिन बड़े मुनाफे वाले ईवी से संबंधित उद्यम शुरू करने में सक्षम बनाता है

नई दिल्ली, पीआईबी। आज भारत मंडपम में आयोजित इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) एक्सपो के अपने दौरे के दौरान, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय में कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण से लेकर रोजगार सृजन तक, इलेक्ट्रिक वाहन भारत की अगली विकास गाथा को गति दे रहे हैं।

मंत्री ने प्रदर्शकों से बातचीत की और घरेलू कंपनियों द्वारा प्रदर्शित इलेक्ट्रिक परिवहन समाधानों और मेक इन इंडिया ईवी उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला का अवलोकन किया।

अपने दौरे के दौरान, मंत्री ने प्रदर्शनी में कई स्टालों का दौरा किया और इलेक्ट्रिक वाहनों, पुर्जो और स्वच्छ गतिशीलता प्रौद्योगिकियों में भारतीय निर्माताओं द्वारा की जा रही तीव्र प्रगति को सराहा। उन्होंने स्वदेशी ईवी कंपनियों के बढ़ते आत्मविश्वास और क्षमता की प्रशंसा करते हुए इस क्षेत्र को भारत के स्वच्छ, हरित और अधिक टिकाऊ भविष्य की ओर संक्रमण का एक प्रमुख स्तंभ बताया। मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू से ही पर्यावरण संरक्षण और ई-मोबिलिटी के बारे में व्यापक जन जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया है, साथ ही वैश्विक स्तर पर उपलब्ध नए तकनीकी विकल्पों की भी चर्चा की है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल इन वैश्विक नवाचारों से लाभान्वित हो रहा है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा और सतत परिवहन की दिशा में इस परिवर्तनकारी यात्रा में एक सक्रिय भागीदार के रूप में भी उभर रहा है। मंत्री ने स्वच्छ ऊर्जा तंत्र में सुधारों और हालिया नीतिगत पहलों के बीच समानता बताते हुए कहा कि परमाणु ऊर्जा में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए शांति विधेयक, 2025 का पारित होना स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा स्रोतों को मजबूत करने के लिए सरकार के समग्र दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी भी स्वच्छ ऊर्जा की ओर वैश्विक बदलाव के अनुरूप है और साथ ही भारत के विकासात्मक और पर्यावरणीय लक्ष्यों को पूरा करती है। इलेक्ट्रिक वाहनों की उपयोगकर्ता-अनुकूल प्रकृति के बारे में बोलते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि ईवी पारंपरिक वाहनों की तुलना में ड्राइविंग में काफी आसानी प्रदान करते हैं, जिनमें शारीरिक श्रम कम होता है और संचालन सरल होता है। उन्होंने ईवी की बहुपयोग का उल्?लेख करते हुए कहा कि एम्बुलेंस, ई-रिक्शा, यात्री वाहन और वाणिज्यिक उपयोगों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में इनका उपयोग बढ़ रहा है। इस प्रकार ये विविध परिवहन आवश्यकताओं के लिए उपयुक्त हैं। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी न केवल परिवहन, पर्यावरण और स्वच्छ ऊर्जा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि विशेष रूप से युवाओं के लिए उद्यमिता, रोजगार और आजीविका का एक शक्तिशाली इंजन बनकर उभर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में निर्मित तंत्र ने युवा उद्यमियों को सरकार से तकनीकी और वित्तीय सहायता प्राप्त करते हुए मामूली निवेश के साथ इलेक्ट्रिक वाहन से संबंधित उद्यम शुरू करने और उन्हें कम समय में उच्च कारोबार वाले उद्यमों में बदलने में सक्षम बनाया है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

साईं इतना दीजिए जामे कुटुंब समाय –राजेश्री महन्त

कबीर सत्संग समारोह में शामिल हुए महामंडलेश्वर

संवाददाता। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज कसडोल विकासखंड अंतर्गत स्थित ग्राम कोटियाडीह में आयोजित कबीर सत्संग समारोह में उपस्थित हुए। उन्होंने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि खरसिया कबीर आश्रम से श्रवण साहेब जी थे। अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति की ओर से भजन -कीर्तन के साथ किया गया। कबीर साहेब की प्रतिमा में पूजा अर्चना के उपरांत अतिथि गण मंचासीन हुए। उनका स्वागत शाल, श्रीफल एवं पुष्प माला से किया गया। उपस्थित श्रद्धालु भक्तों को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के अध्यक्ष राजेश्री महन्त जी महाराज ने कहा कि- श्री दूधाधारी मठ एवं श्री शिवरीनारायण मठ श्री स्वामी रामानंदाचार्य संप्रदाय से संबंधित है, स्वामी रामानंदाचार्य जी महाराज कबीर साहेब के गुरु थे, इसलिए जहां कहीं से भी मुझे कबीर सत्संग का निमंत्रण प्राप्त होता है उसमें उपस्थित होता हूं। कबीर साहेब की वाणी में इतना सामर्थ है कि पूरे विश्व के लोग उनकी वाणी को पढ़ते हैं, सुनते हैं, मनन -चिंतन करते हैं और उन्हें मानते हैं। वे अपने जीवन में इतने संतुष्ट थे कि उन्होंने अपने दोहा के माध्यम से कहा कि- *साईं इतना दीजिए, जामे कुटुंब समाय। मैं भी भूखा ना रहूं, साधु न भूखा जाए*।। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने कहा कि - भक्त लोग विगत 40 वर्षों से यह कार्यक्रम आयोजित करते आ रहे हैं। संतों का आशीर्वाद है उनके माता-पिता का संस्कार है कि यह कार्यक्रम बड़े समर्पित भाव से पूर्ण होता है। उनका भाव पवित्र है यह स्वागत योग्य है। जब भाव और विचार पवित्र होते हैं तब संत आते हैं। आप लोगों ने जो श्रद्धा निष्ठा आस्था का परिचय दिया है वह सराहनीय है। लोगों को विशिष्ट अतिथि भुवन ज्योति साहेब ने भी संबोधित किया और कहा कि- शरीर का मुख्य द्वार मुख है। इसमें गुटखा, तंबाकू, गांजा, मदिरा मत डालो! बल्कि राम नाम रूपी मणि को धारण करो, राम नाम मनि दीप धरु जीह देहरी द्वार।। इसके पूर्व स्वागत गायन श्रीमती हेमलता साहू ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का विधिवत संचालन छम्मन दास महंत ने किया। इस अवसर पर विशेष रूप से चंद्रमा साहू, कपूरचंद साहू, डॉक्टर जगदीश साहू, राजकुमार साहू, पूरन साहू, सेवकराम साहू, तेजनाथ साहु, शीतल साहू, रामप्रसाद साहू, गंगाराम साहू, हंसराम साहू, मनहरण लाल साहू, कमलेश साहू, रोहित साहू, मोहनलाल जी, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, हर्ष दुबे सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण एवं माताएं काफी संख्या में उपस्थित थीं।

जनादेश परब : विश्वास, गौरव, निर्माण :

पुलिस लाइन खोखरा भांठा जांजगीर में आज आयोजित होगी राज्य स्तरीय कार्यक्रम

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा के मुख्य आतिथ्य तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में होगा कार्यक्रम का आयोजन

जांजगीर-चांपा /

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनादेश परबः विश्वास, गौरव, निर्माण के तहत 22 दिसंबर को पुलिस लाइन खोखरा भांठा जांजगीर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम एवं विशाल आमसभा का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे. पी. नड्डा शामिल होंगे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय करेंगे।

कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव एवं उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा अति विशिष्ट अतिथि होंगे एवं मंत्रीगण श्री रामविचार नेताम, श्री दयालदास बघेल, श्री केदार कश्यप, श्री लखन लाल देवांगन, श्री श्याम बिहारी जायसवाल, श्री ओ.पी. चौधरी, श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, श्री टंकराम वर्मा, श्री गजेन्द्र यादव, श्री गुरु खुशवंत साहेब, श्री राजेश अग्रवाल, लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े व विधायक जांजगीर-चांपा श्री ब्यास कश्यप विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

पद्मश्री श्री अनुज शर्मा देंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति – मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के 02 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनादेश परबः विश्वास, गौरव, निर्माण के तहत 22 दिसंबर को केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे पी नड्डा के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में पुलिस लाइन खोखरा भांठा जांजगीर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा। इस दौरान छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति को सहेजते हुए सुप्रसिद्ध लोक कलाकार एवं पद्मश्री श्री अनुज शर्मा द्वारा प्रातः 11 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी।

गुरु घासीदास बाबा जयंती समारोह में मुख्य अतिथि रहे खुज्जी विधायक भोलाराम साहू

राजनांदगांव 7 ग्राम पंचायत गहिराभेड़ी, विकासखंड छुरिया में महान समाज सुधारक संत शिरोमणि गुरु घासीदास बाबा जी की जयंती श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ गरिमामय रूप से संपन्न हुई। कार्यक्रम में खुज्जी विधानसभा के लोकप्रिय विधायक माननीय भोलाराम साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा और प्रभाव और अधिक बढ़ गया।

मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्री साहू ने अपने उद्बोधन में गुरु घासीदास बाबा जी के अमर संदेश ÷मनखेडुमनखे एक समान÷ को सामाजिक समानता, भाईचारे और मानवता की सशक्त नींव बताया। उन्होंने कहा कि बाबा जी के विचार आज भी समाज को सत्य, अहिंसा, न्याय और समरसता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने युवाओं से बाबा जी के आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके पश्चात पंथी नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बाबा जी के जीवन दर्शन का भावपूर्ण स्मरण किया गया। श्रद्धा, सामाजिक चेतना और एकता से ओत-प्रोत यह आयोजन क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत बना।

शहीदों की स्मृति में राज्यस्तरीय दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 27-28 दिसंबर को

डोंगरगांव/राजनांदगांव।

शहीद धनेश्वर यादव, स्वर्गीय दिलीप कंवर, स्वर्गीय खेमचंद निषाद एवं स्वर्गीय मनीष कंवर की स्मृति में राज्यस्तरीय दो दिवसीय महिला एवं पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 27 एवं 28 दिसंबर 2025 को किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का आयोजन प्रभात युवा मंडल एवं समस्त ग्रामवासी खपरीकला द्वारा गौठान चौक, खपरीकला (बालक स्टेशन) में किया जाएगा। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से महिला एवं पुरुष कबड्डी टीमें भाग लेंगी। ग्राम उपसरपंच एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष उज्ज्वल निर्मलकर ने बताया कि ग्राम खपरीकला में हर वर्ष शहीदों की स्मृति में राज्यस्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। यह आयोजन युवाओं को खेलों से जोड़ने के साथ-साथ शहीदों के बलिदान को याद करने का माध्यम भी है। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

ज्ञानोदय में कबाड से जुगाड़ प्रतियोगिता हुआ आयोजित

जांजगीर चांपा / ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजगीर में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से ÷कबाड़ से जुगाड़ ÷ प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता विद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेश यादव जी के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रेरणा में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विद्यालय के सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता में बच्चों ने घरों से एकत्रित बेकार वस्तुओं जैसे–खाली बोतलें, पुराने अख़बार, गत्ते के डिब्बे, प्लास्टिक सामग्री आदि का उपयोग कर आकर्षक व रचनात्मक मॉडल तैयार किए। विद्यार्थियों ने तरह-तरह की उपयोगी और सुंदर वस्तुएँ बनाईं, जिनमें घर, स्कूल, पेड़-पौधे, स्मार्ट सिटी एवं सजावटी वस्तुएँ प्रमुख रहीं।

इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करना, कचरे के पुनः उपयोग का महत्व समझाना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। निर्णायक मंडल द्वारा मॉडलों का मूल्यांकन रचनात्मकता, उपयोगिता एवं प्रस्तुति के आधार पर किया गया।

प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेश यादव जी ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी रचनात्मक गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की भावना को भी सुदृढ़ करती हैं। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर किया गया, जिसमें विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का पूर्ण सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता रही।

मनरेगा का नाम और स्वरूप बदलना बर्दास्त नही – राजेश अग्रवाल

लोकशक्ति संवाददाता।

जांजगीर चांपा / महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के नाम में बदलाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर जिला कांग्रेस कमेटी जांजगीर चांपा द्वारा आज बाबा साहब डॉ. भीम राव अम्बेडकर प्रतिमा प्रांगण, कचहरी चौक जांजगीर में धरना प्रदर्शन किया गया । कांग्रेस जनों ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना में बदलाव एवं नाम परिवर्तन को लेकर संसद में एक विधेयक प्रस्तुत किया गया है । कांग्रेस का कहना है कि प्रस्तावित बदलाओं से योजना की संरचना और इसके क्रियान्वयन पर प्रभाव पड़ सकता है । धरना स्थल पर सभा को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने कहा कि विश्व बैंक ने मनरेगा को विश्व की सबसे बड़ी रोजगार उपलब्ध करवाने वाली योजना के रूप में बताया था । उन्होंने कहा कि वर्ष 2008-09 में वैश्विक आर्थिक मंदी के दौरान इस योजना की भूमिका अहम रही । उनके अनुसार योजना के नाम

और स्वरूप में बदलाओं को लेकर कांग्रेस का विरोध है ।

जांजगीर चांपा विधायक व्यास कश्यप ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण रोजगार के क्षेत्र में एक व्यापक रोजाना रही है । उन्होंने केंद्र सरकार के प्रस्तावित बदलाओं पर असहमति जताई और इसे गरीबों से जुड़े मुद्दे से जोड़कर देखा । कांग्रेस कमेटी के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने कहा कि महात्मा गांधी के नाम से जुड़ी योजना के नाम के परिवर्तन को लेकर पार्टी में आपत्ति है । उन्होंने कहा कि रोजगार गारंटी से जुड़े किसी भी बदलाव पर व्यापक चर्चा होना चाहिए । पूर्व कार्य. जिलाध्यक्ष रमेश पैगवार ने भी मनरेगा योजना में प्रस्तावित बदलाओं पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई और कहा कि इसमें योजना की मूल भावना प्रभावित हो सकती है । सभा को प्रदेश सचिव हरप्रसाद साहू, नागेंद्र गुप्ता, आभास बोस, शिशिर द्विवेदी, सुनील साधवानी, भगवानदास गड़ेवाल, गौरव सिंह ने भी सभा को संबोधित किया । कार्यक्रम का संचालन रफीक सिद्दीकी ने किया एवं आभार प्रदर्शन विवेक सिसोदिया ने किया । कार्यक्रम में सेवादल जिलाध्यक्ष देव कुमार पांडे, ब्लॉक अध्यक्ष रविंद्र शर्मा, चिंताराम राठौर, गोविंद कश्यप, नेता प्रतिपक्ष हरीश पाण्डेय, प्रिंस शर्मा, किशन सोनी, ऋषि उपाध्याय, शाश्वत दीवान, रामबिलास राठौर, अजीत राणा, राज अग्रवाल, परमेश्वर निर्मले, परमेश्वर राठौर, शिवानंद कुमार, पवन कश्यप, दिनेश पांडेय, आकाश तिवारी, धनपति करियरे, दुर्गा कुर्रे, विष्णु गाडा, महेश खरे, शेषनाथ टंडन, मनीष कुमार, किरण पटेल, प्रीतम कश्यप, दीपेंद्र कहरा, बेदीप्रसाद यादव, शर्मिष्ठा कंसारी, अंजलि देवांगन, कविता देवांगन, अनिल राठौर, सत्यभामा टंडन, अमर कुमारी टंडन, गंगा टंडन, अनिल चौरसिया, संतोष गढ़वाल, महेश यादव, घनश्याम कश्यप, मोती पटेल, रफीक खान, पवन साहू, रविशंकर, राजा श्रीवास, पवन कुमार, हेमलता राठौर, जगदीश्वर सूर्यवंशी, दिनेश पांडेय, रेखा सोनवान, चंपा प्रधान, राघवेंद्र सिंह, राजू शर्मा, विजय प्रकाश तिवारी, शांति साहू, जयप्रकाश जायसवाल, अशोक बर्मन, अतीक कुरैशी, रजनी सूर्यवंशी, नर्मदा सूर्यवंशी, रोहित सोनी, कृष्णा प्रजापति सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे ।

स्व. चन्द्र कुमार साहू को दी गई श्रद्धांजलि

राजनांदगांव। ग्राम आलीवारा (गैंदाटोला) निवासी श्री चन्द्र कुमार साहू जी का दिनांक 21 दिसंबर 2025 को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन पर क्षेत्र में शोक का माहौल है।

इस अवसर पर माननीय विधायक खुज्जी श्री भोलाराम साहू जी ने ग्राम आलीवारा पहुंचकर दिवंगत श्री साहू जी के दाहसंस्कार कार्यक्रम में शामिल होकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

शीतकालीन सत्र में विधायक कश्यप ने पूछे अनेक प्रश्न

जांजगीर-चांपा /

विधायक ब्यास कश्यप ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में जिले की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रश्न पूछे। उन्होंने विधानसभा में कुल 12 प्रश्नोत्तरी, 6 ध्यानाकर्षण, 1 शून्यकाल प्रश्न तथा जांजगीर-चांपा विधानसभा के ग्राम बोड़सरा में नवीन महाविद्यालय प्रारंभ करने एवं चांपा में नवीन कन्या महाविद्यालय प्रारंभ करने के लिए 2 याचिका लगाई थी। सदन के अंतिम दिवस में राष्ट्रगीत ''वंदे मातरम्'' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चर्चा कराई गई। ''वंदे मातरम्'' पर सदन को संबोधित करते हुए ब्यास कश्यप ने कहा कि मुझे गर्व है कि आज वंदे मातरम् की 150वीं जयंती के नाम से हम याद कर रहे हैं। भारत की आजादी की लड़ाई में जो गर्व से वंदे मातरम् के गीत और नारा लगाकर देश के प्रति शहीद हो गये, उस वंदे मातरम् को याद करने के लिए हम सब यहां उपस्थित हैं। दुर्भाग्य इस बात का है कि जिस उद्देश्य से इस विषय को विधान सभा में लाया गया है, हमारे साथियों द्वारा दूसरे के ऊपर आरोप लगाया जा रहा है, वह उचित भी नही है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष महोदय, मैं बचपन से संघ का स्वयंसेवक रहा हूं और वंदे मातरम् के विषय में क्या बोली जाती थी, उस बात को मैं आने वाले समय में बताऊंगा।

अजय चंद्राकर जी, हमारे दोनों उपमुख्यमंत्री, अरूण साव जी और आदरणीय विजय शर्मा जी ने बहुत कुछ कहा है तो जवाब सुनने के लिए थोड़ा सा तैयार रहें। हम सब को पता है कि जिस समय वंदे मातरम् लिखा गया, किसकी राजनीतिक दल की क्या हैसियत थी, वह बाद का विषय है। 07 नवंबर 1875 में जब बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, जिनकों हम चटर्जी भी बोल लेते हैं, उनके द्वारा यह रचित गीत जिसमें प्रथम दो पद संस्कृत में हैं, संस्कृत हमारे पुराने समय की बोलचाल की भाषा रही है, वे बंगाल से आते थे, इसलिए बंग्ला का भी समायोजन हुआ। आदरणीय रविन्द्रनाथ टैगोर जी जिन्होंने संगीतबद्ध किया और गाया भी। सार्वजनिक मंच पर प्रथम बार 27 दिसंबर, 1896 को 27 से 30 दिसंबर तक कांग्रेस का अधिवेशन जो कलकत्ता में हुआ था, उस पर यह गाया गया। वंदे मातरम् स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्ति और प्रेरणा का प्रतीक बना था। 1896 में टैगोर जी ने पहली बार गाया, 1950 में यह भारत का राष्ट्रीय गीत घोषित हुआ। आप सब लोगों ने भी इसको कहा है। वंदे मातरम् के इस गीत पर भारत के लगभग सभी दल के लोग नतमस्तक होते हैं, मैं आरोप नही लगा रहा हूं। वर्तमान समय में जिस ढंग से वंदे मातरम् के विषय में आरोप-प्रत्यारोप लगाया जा रहा है, यह न्यायोचित नही है। मैने कहा कि संघ के शाखाओं में क्या बात होती थी, मैं भारतीय जनता पार्टी में था तो जानता हूं वहां भी वंदे मातरम् गाया जाता था। अब कांग्रेस में हूं तो जानता हूं कि कांग्रेस के प्रदेश के अधिवेशन हो, चाहे जिले की बैठकें हो, वंदे मातरम् से शुरूआत होती है। उक्त बातों को सुनकर सभी विधायक दल के लोग मेज थपथपाने लगते हैं। कांग्रेस में शुरू से ही वंदे मातरम् के नाम से देश की आजादी की लड़ाई में सभी लोग भाग लिये थे। अंग्रेजों के विरूद्ध विद्रोह के लिए देश की स्वतंत्रता आंदोलन में भाग ले रहे आंदोलनकारियों को उत्साह हेतु वंदे मातरम् नारा ही प्रमुख था। मैं बोलता हूं कि वंदे मातरम् विषय ही ऐसा है, जो सबके लिए प्रिय है।

मंत्री केदार कश्यप एवं विधायक सुशांत शुक्ला के साथ हुई तीखी बहस....

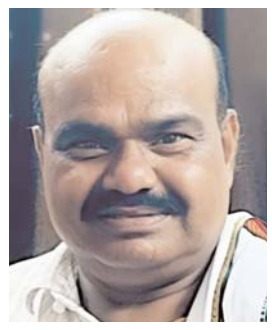

ब्यास कश्यप को बीच में रोकते हुए मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि आप लोगों के तुष्टीकरण के कारण ही तो कश्मीर इतने सालों तक उपेक्षित रहा। आप लोगों ने धारा 370 नही हटाया। यह इस बात का प्रमाण है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मंत्री केदार कश्यप को रोकते हुआ कहा कि आप उनको बोलने दीजिए। ब्यास कश्यप ने कहा कि धारा 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर की क्या स्थिति है, क्या आप उसको देखने के लिए जाते हैं? मैं आपसे यह पूछना चाहता हूं कि आपने धारा 370 संविधान से पास कर लिया, परंतु क्या आप उसको जम्मू कश्मीर में लागू कर पा रहे हैं? विधायक सुशांत शुक्ला ने इस पर आपत्ति ली तो अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने उन्हें रोकते हुए ब्यास कश्यप को पुनः बोलने का अवसर दिया। ब्यास कश्यप ने कहा कि मैं किसी की भावनाओं को ठेस नही पहुंचाना चाहता हूं। आप लोगों ने जो ठेस पहुंचाई है न, मैं उसी बात को बता रहा हूं। आप लोग थोड़ा सा सुन लीजिए। उन्होंने आगे कहा कि अरूण साव जी ने कहा कि आपातकाल के समय संघ के लोग वंदे मातरम् कहकर जेल गये। गये होंगे, अच्छी बात है। संघ का जो गीत है- ''नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे, त्वया हिन्दूभूमे सुखं वर्धितोहम। वह यह कहकर भी तो जेल जाते। वंदे मातरम् के साथ यह गीत गाकर भी जेल जाते। विधायक अनुज शर्मा ने टोकते हुए कहा कि माननीय अध्यक्ष जी, वह बैठे उधर हैं, लेकिन उनका दिल अभी तक इधर ही है। जवाब में ब्यास कश्यप ने कहा कि महोदय, आपने जो प्रताड़ित किया है, उसी नाम से हम इधर आये हैं। आप लोग मेरे से ज्यादा मत कहलवाइए। आप लोगों से ज्यादा ट्रेनिंगशुदा, प्रशिक्षु और बौद्धिक दृष्टि प्राप्त कार्यकर्ता अब इधर आ गया है। अनुज शर्मा ने कहा कि अच्छा आप बताईये, आप पुराने आदमी हैं। क्या आप राम मंदिर आंदोलन मे गये थे? ब्यास कश्यप ने कहा - मैं इलाहाबाद से अयोध्या एक हफ्ते तक पैदल गया था। उनकी बात सुनकर सभी मेज थपथपाने लगे। उन्होंने आगे कहा किन्तु भारतीय जनता पार्टी के द्वारा कभी मुझे सम्मान नही मिला। हमारे आदरणीय शर्मा जी बोल रहे थे कि अखण्ड भारत। जो कि पूर्व में भारत का स्वरूप था अफगानिस्तान से लेकर बर्मा तक। वर्तमान स्थिति में इस लोकतंत्र में जब उस अखंड भारत का निर्माण होगा तो भाजपा कहां रहेगी, इस बात का चिंतन बाद में कीजिएगा।

ब्यास कश्यप ने ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया...

ब्यास कश्यप ने कहा कि आदरणीय चंद्राकर जी ने कहा, सब लोगों ने कहा कि मोदी जी बिरयानी खाने के लिए पाकिस्तान चले जाते हैं। वह नही खाते या क्या खाते हैं लेकिन कुछ न कुछ करके गये तो हैं न? चाय पीकर आये। लेकिन पाकिस्तान की चाय पिये न? हां अच्छी बात है जाना चाहिए। आप अभी ऑपरेशन सिंदूर के बारे में कह रहे थे। माननीय मोदी जी की रगों में पूरा सिंदूर बह गया परन्तु पाकिस्तान से क्रिकेट खेलने लिए आपत्ति नही है। आप लोग पाकिस्तान से मैच खेलेंगे। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बोलती है कि पाकिस्तान से सभी संबंध खत्म तो फिर क्रिकेट क्यों खेला जाता है? क्योंकि हजारो करोड़ों रूपये की इनकम होगी भारतीय क्रिकेट बोर्ड बी.सी.सी.आई. को जिसके प्रमुख अमित शाह जी के सुपुत्र जय शाह जी हैं। उन्होंने अखण्ड भारत के निर्माता सरदार वल्लभ भाई पटेल को याद करते हुए कहा कि अहमदाबाद में सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम से जो क्रिकेट स्टेडियम था, उसका नाम माननीय नरेन्द्र मोदी जी के नाम से होना क्या न्यायोचित है? दो तरीके से बातें नही होगी। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चटर्जी का देश को गौरवान्वित करने वाला वंदे मातरम् अमर है। जिसके नाम से देश की आजादी की लड़ाई में लड़कर देश आजाद हुआ है। इसको चिरस्थायी बनाकर रखिये। हमारे खड़गे जी ने कहा कि आप सब चीज को चाहे सरदार पटेल हो, शास्त्री जी हो, वंदे मातरम् हो, आप ले लीजिए। आप उसको स्वीकार तो कर रहे हैं न। आप लोग सिर्फ गांधी परिवार, गांधी परिवार कहते हैं, गांधी परिवार ने जितना कुछ इस देश के लिए किया है, देश के लिए शहीद हुए हैं, आपकी तरफ से कौन क्या हुआ है?

खास खबर

भरण-पोषण न देने पर मुस्लिम पत्नी को मिलेगा तलाक का हक, हाईकोर्ट का अहम फैसला

बिलासपुर, हाईकोर्ट ने मुस्लिम विवाह कानून से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि पति लगातार दो वर्षों तक पत्नी का भरण-पोषण नहीं करता है, तो पत्नी को तलाक लेने का अधिकार होगा, भले ही वह पति के साथ न रहकर अपने मायके में ही क्यों न रह रही हो।

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने यह टिप्पणी करते हुए फैमिली कोर्ट के तलाक संबंधी आदेश को आंशिक रूप से सही ठहराया। मामला कोरिया जिले के मनेंद्रगढ़ का है, जहां 30 सितंबर 2015 को मुस्लिम रीति-रिवाज से विवाह संपन्न हुआ था। शादी के बाद पत्नी करीब 15 दिन ससुराल में रही, लेकिन पारिवारिक विवाद के चलते मई 2016 से मायके में रहने लगी।

पत्नी ने आरोप लगाया था कि पति उस पर 10 लाख रुपये की एफडी तुड़वाने का दबाव बना रहा था। इसके बाद उसने घरेलू हिंसा, धारा 498-ए और भरण-पोषण से जुड़े प्रकरण दर्ज कराए। इन तथ्यों के आधार पर फैमिली कोर्ट ने विवाह विच्छेद का आदेश दिया था। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि मुस्लिम विवाह विच्छेद अधिनियम, 1939 की धारा 2(द्वद्व) में यह कहीं उल्लेख नहीं है कि पत्नी का पति के साथ रहना अनिवार्य है। कोर्ट ने रिकॉर्ड के आधार पर माना कि वर्ष 2016 से लेकर करीब आठ वर्षों तक पत्नी को कोई भरण-पोषण नहीं दिया गया, जो तलाक के लिए पर्याप्त आधार है।

प्रसिद्ध समाजसेवी रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर बीएल मानिकपुरी नहीं रहे

बिलासपुर,। आज दिनांक 19 दिसंबर 2025 को अपराह्न 12.16 बजे , निज निवास विनोबा नगर , बिलासपुर में प्रसिद्ध समाजसेवी एवं रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर बी.एल.मानिकपुरी ने आखिरी सांस ली । विगत कुछ महीने से वे अस्वस्थ चल रहे थे। उल्लेखनीय है कि तहसीलदार बिल्हा के रूप में जनगणना में उत्कृष्ट कार्य हेतु उन्हें राष्ट्रपति रजत पदक प्राप्त हुआ था। कार्यपालिक दंडाधिकारी के रूप में उल्ले- खनीय भूमिका हेतु भी उन्हें पुरस्कृत किया गया था।

वे अपने पीछे भरा - पूरा विशाल परिवार छोड़ गए । वे संजय मानिकपुरी प्राचार्य , संदीप मानिकपुरी फोरमेन एस ई सी एल , डा.बेला महंत असिस्टेंट प्रोफेसर, मंजु महंत , कामिनी महंत व्याख्याता, डा.अनुपमा धनंजय मेडिकल आफिसर के पिता तथा डा. फूलदास महंत असिस्टेंट प्रोफेसर , अशोक महंत , भारत प्रकाश महंत बालको , रूपेश धनंजय कार्यपालन अभियंता के श्वसुर थे। वहीं समाज के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.देवधर महंत एवं श्रीमती शकुंतला महंत तथा पीला महंत एवं श्रीमती राधाबाई प्रभृति के गुरू थे।

उनका अंतिम संस्कार दिनांक 20 दिसंबर 2025 दिन शुक्रवार को पूर्वाह्न 11 बजे भारती नगर श्मशान घाट में किया जावेगा।

विभिन्न संगठनों ने सत्लोकी बी. एल. मानिकपुरी के सत्लोक गमन पर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए समाज के लिए अपूरणीय क्षति निरूपित

मेडिकल कॉलेज पहुंचते ही नवपदस्थ कलेक्टर दुदावत ने ली स्वास्थ्य सुविधाओं की टोह

मरीजों का समय पर समुचित उपचार के दिए निर्देश

कोरबा (संवाददाता)।

जिले में ज्वॉनिंग के दूसरे ही दिन से नवपदस्थ कलेक्टर कुणाल दुदावत ने स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने की दिशा में अपनी रणनीति प्रारंभ कर दी है। इस कड़ी में आज उन्होंने सुबह होते ही कोरबावासियों की लाइफलाइन स्व बिसाहूदस महंत स्मृति मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया।

अस्पताल में प्रवेश करते ही उन्होंने एक आम मरीज की तरह आवश्यकताओं को भांपते हुए पंजीयन कक्ष एवं इमरजेंसी सेवा के पास सेवारत चिकित्सकों के नाम एवं उनके मोबाइल नंबरों की सूची प्रदर्शित करने और शासन द्वारा मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं का उल्लेख करते हुए जानकारी को डिस्प्ले करने के निर्देश दिए। लगभग दो घंटे तक उन्होंने अस्पताल में अपना समय देते हुए मरीजों, मरीजों के परिजनों, एनआरसी में दाखिल बच्चों की माताओं से स्वास्थ्य सुविधाओं की टोह लीं और उन्हें कॉलेज प्रबंधन द्वारा दी जा रही सुविधाओं को भी परखने का काम किया। कलेक्टर दुदावत ने पोषण पुनर्वास केंद्र में बच्चों के मनोरंजन के लिए लगाई गई टीवी के बंद होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए, वहीं बच्चो को दी जाने वाली आहार की जानकारी लेते हुए उन्होंने किचन में जाकर सब्जी, दाल की गुणवत्ता को भी परखा और दाल पतली दिखाई देने पर गुणवत्ता

सुधारने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने यहां भर्ती बच्चे का वजन कराकर वजन में हो रहे सुधार की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने एनआरसी में अव्यवस्थाओं को लेकर नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिये। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर दुदावत ने अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था बेहतर बनाए रखने, आपातकालीन मरीजों को त्वरित एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

नवपदस्थ कलेक्टर दुदावत ने आपातकालीन सेवा, शिशु वार्ड, महिला एवं पुरुष वार्ड, बर्न यूनिट, एनआरसी, डायलिसिस सेंटर, ऑपरेशन थियेटर, सोनोग्राफी, मनोरोग, गायनिक, नेत्र विभाग, ओपीडी सेवा, एसएनसीयू, सेंट्रल किचन, हमर लैब, ट्रामा सेंटर तथा स्टोर रूम का निरीक्षण किया।

कलेक्टर दुदावत ने मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं को और सुदृढ़ करने के साथ ही भविष्य में होने वाले विस्तार, अधोसंरचना विकास एवं आवश्यक उपकरणों को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर दुदावत ने मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए भर्ती मरीजों से उनका हाल-चाल पूछते हुए उन्हें मिल रही चिकित्सकीय उपचार की भी टोह लीं। उन्होंने अस्पताल में डॉक्टर द्वारा जाँच करने,दवाइयां उपलब्ध होने, आयुष्मान कार्ड से उपचार, नाश्ते एवं भोजन समय पर मिलने, खाने की क्वालिटी ठीक होने के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने सेंट्रल किचन में मरीजों के लिए बनाए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता को भी परखा। कलेक्टर ने मरीजों को उपलब्ध सेवाओं पर संतोष जताया।

खराब उपकरणों के मेंटेनेंस, बारिश में पानी रिसाव रोकने सहित दिए अन्य निर्देश :

कलेक्टर दुदावत ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने इमरजेंसी सेवा में ड्रेसिंग रूम को व्यवस्थित रखने, शीघ्र उपचार व्यवस्था दुरुस्त करने तथा आईसीयू में खराब पड़े उपकरणों को वार्षिक मेंटेनेंस सेवा के अंतर्गत मरम्मत कर क्रियाशील रखने के निर्देश दिए।

बर्न यूनिट के निरीक्षण के दौरान उन्होंने एक्सटेंशन एरिया के कार्य को शीघ्र पूर्ण करने, मनोरोग विभाग में मरीजों को उचित परामर्श एवं अभिलेख संधारण सुनिश्चित करने, ओपीडी में आभा एप्लिकेशन के माध्यम से मरीजों का पंजीयन एवं उपचार करने, गायनिक विभाग में महिलाओं की जांच एवं सुरक्षित प्रसव संबंधी सावधानियां बरतने के निर्देश दिए।

कोरबा में भाजपा कार्यालय घेराव के दौरान कांग्रेस की गांधीगिरी

पुलिसकर्मियों को भेंट किए गुलाब के फूल

कोरबा, संवाददाता

नेशनल हेराल्ड प्रकरण में अदालत के निर्णय के बाद कांग्रेस ने इसे अपनी राजनीतिक और नैतिक जीत बताते हुए प्रदेश भर में विरोध-प्रदर्शन किया। इसी कड़ी में कोरबा में शहर कांग्रेस व ग्रामीण कांग्रेस के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता ट्रांसपोर्ट नगर में एकत्र हुए और भाजपा कार्यालय का घेराव करने के लिए रैली के रूप में आगे बढ़े। भाजपा कार्यालय के घेराव के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हालांकि पूरे प्रदर्शन में कांग्रेस की गांधीगिरी भी देखने को मिली। भाजपा कार्यालय के पास तैनात पुलिसकर्मियों को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गुलाब का फूल भेंट किया जिससे प्रदर्शन का शांतिपूर्ण संदेश दिया गया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश राठौर ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में ई डी द्वारा एफआई आर को शीर्ष अदालत द्वारा रद्द किया जाना सत्य की जीत है और इसे

मोदी शाह तथा भारतीय जनता पार्टी के षडयंत्र का हिस्सा प्रतीत होता है । ग्रामीण अध्यक्ष मनोज चैहान ने बताया कि नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस द्वारा देश भर के सभी जिला मुख्यालयों में भाजपा कार्यालय का घेराव किये जाने का निर्णय लिया है । इसी तारतम्य में कोरबा जिला भाजपा कार्यालय का घेराव किया गया । इस कार्यक्रम में पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद, पूर्व सभापति श्याम सुंदर सोनी, प्रदेश सचिव विकास सिंह, रेखा त्रिपाठी, नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष गजानंद साहू, विधायक प्रत्याशी दुलेश्वरी सिदार, युवा कांग्रेस अध्यक्ष राकेश पंकज, सेवादल अध्यक्ष प्रदीप पुरायणे, ब्लॉक अध्यक्ष संतोष राठौर, बसंत चंद्रा, पूर्व जिला अध्यक्ष सपना चैहान, पार्षद सुकसागर निर्मलकर, बद्री किरण, अध्योध्या मस्तुल कंवर, अविनाश बंजारे, डॉ.गोपाल कुर्रे, सुभाष राठौर, गीता गभेल, पूर्व रामगोपाल यादव, पालुराम साहू, रोपा तिर्की, प्रदीप जायसवाल, वीरसाय धनुहार, मनीष शर्मा, जवाहर निर्मलकर, बुद्धेश्वर चैहान, गिरधरी बरेठ, गणेश दास महंत, रामकुमार राठौर, प्रेमलाल साहू, रमेश वर्मा, कुंजबिहारी साहू, कन्हैया राठौर, गीता महंत, सीमा उपाध्याय, शशि अग्रवाल, अगन बाई, सजीदा बेगम, लक्ष्मी महंत, सुरेश राठौर, जीवन चैहान, शांति साहू, विजय जायसवाल, अवधेश लाठिया, अनिल कुजुर, मनहरण राठौर, पियुष पाण्डेय, अमित सिंह, गोकुल देवांगन, रम्हन दास, राजेश श्रीवास, आकाश प्रजापति, मधुसुधन दास, सत्यप्रकाश, भीमलाल, फिरोज अनंत, यशपाल कंवर, राकेश अग्रवाल, निर्मल साहू, रामकुमार चंद्रा, गौतम वैष्णव, शशि राज, रज्जाक, अमित पन्ना, बंटी दास, धमेली, गजेन्द्र, जयकुमार, राकेश चैहान, पवन विश्वकर्मा, सुनील निर्मलकर, विवेक श्रीवास, शकील अंसारी, सुनील बर्मन, नारायण यादव, सोनु ठाकुर, पप्पु कुमार, आकाश प्रजापति, शशि राज, राजू बर्मन, नितिन पटेल, सूरज चैहान, दिनेश जायसवाल, मिनकेतन गबेल, घनश्याम चैहान, हरिशचंद्र भारती, युवराज महंत, राहुल मानिकपुरी, सायल साहू, अभिषेक तंबोली, पीयुष श्रीवास, राजेश श्रीवास, आरिफ मेमन, शकील अहमद, शुभम साहू, आकाश पटेल, अर्जुन सिंह, अश्वनी पटेल, मुन्ना लाल, सरफुद्दीन आलम, सफीक कुरैशी, लोकेश राठौर, नीलेश दीवान, सहबाज खान, मोंटु राजपूत, विकास यादव, राहुल वर्मा, भागीरथी यादव, राजू देवांगन, राम खिलावन, अभिषेक यादव, विक्की महंत, रोहन सिंह, आकाश महंत, प्रशांत भारिया, गोपाल साहू, मंगेश भारिया, रोशन जायसवाल, मनोज कश्यप।

न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ उच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया गया

कोरबा, (आरएनएस)। राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रदर्शन एवं मूल्यांकन पर द्वितीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन 18 दिसम्बर, 2025 को छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सभागार में अत्यंत गरिमामय रूप से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ के सहयोग से किया गया, जिसका उद्देश्य राज्य में राष्ट्रीय लोक अदालत प्रणाली को सुदृढ़ बनाने हेतु उपलब्धियों की समीक्षा एवं प्रदर्शन का मूल्यांकन करना था । इस राज्य स्तरीय सम्मेलन की अध्यक्षता न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा की गई। सम्मेलन की सह-अध्यक्षता न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल, न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ एवं कार्यपालक अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा न्यायमूर्ति पार्थ प्रतीम साहू, न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति द्वारा की गई। न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने अभिभाषण में इस बात पर विशेष बल दिया कि राष्ट्रीय लोक अदालतें भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39-क में निहित समान न्याय की परिकल्पना को साकार करने का एक अत्यंत प्रभावी माध्यम बनकर उभरी हैं। उन्होंने व्यक्त किया कि विगत नौ राष्ट्रीय लोक अदालतों के दौरान कुल 2,27,18,454 मामलों का अभूतपूर्व निपटारा किया गया है तथा कुल प्रकरणों के निस्तारण के संदर्भ में छत्तीसगढ़ निरंतर राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष पाँच राज्यों में स्थान प्राप्त करता रहा है।

मंदिर परिसर में मतांतरण के साथ मांसाहारी भोजन भी : हुआ भारी बवाल

बिलासपुर,। सिरगिट्टी क्षेत्र के गणेश नगर स्लम बस्ती में मतांतरण की कोशिश के दौरान वहां रहने वालों को मंदिर परिसर में बुलाकर मांसाहारी भोजन परोस गया। साथ ही उन्हें मतांतरित करने का प्रयास किया गया। इसकी जानकारी लगते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता वहां पहुंचकर मतांतरण का विरोध करते हुए हंगामा करने लगे। इसकी सूचना पर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने वहां लोगों से पूछताछ कर दो लोगों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद बिना अनुमति कर कार्यक्रम आयोजित करने पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।बजरंग दल के जिला संयोजक ङ्क गौरव धनकर ने बताया कि सिरगिट्टी क्षेत्र के गणेश नगर नयापारा स्थित शिव मंदिर परिसर में लोगों को उपहार और भोजन का लालच देकर मंगलवार को प्रार्थना सभा में बुलाया गया था। मंदिर परिसर में ही लोगों के लिए मांसाहारी भोजन की व्यवस्था की गई थी। इसकी जानकारी लगते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता वहां पहुंचकर मतांतरण का विरोध करने लगे। इधर हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई। वहां पर हंगामा करने वालों कोपुलिस ने किसी तरह शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने वहां मौजूद कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया। सभा आयोजित कराने वालों से पूछताछ कीगई। तब पता चला कि बिना अनुमति कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

बड़ा हादसा टला : किचन में लगी आग, सिलेंडर फटा, घर का सारा सामान राख

कोरबा,।

कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत संजय नगर सब स्टेशन के सामने स्थित संतोष केवट के मकान में गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। आग किचन से शुरू हुई और देखते ही देखते गैस सिलेंडर में तेज धमाके के साथ विस्फोट हो गया। धमाके की तेज आवाज से आसपास के लोग दहशत में आ गए।

गनीमत रही कि घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।आग की चपेट में आकर टीवी, फ्रिज, कूलर, अलमारी, पलंग सहित घर में रखा पूरा राशन और घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

गया।

वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद पति सुजीत राठौर ने बताया कि घटना के समय पूरा परिवार काम पर गया हुआ था और मकान में ताला लगा था। किचन में रखे गैस सिलेंडर में आग लगने से बड़ा हादसा हो सकता था, लेकिन दमकल कर्मियों की तत्परता से समय रहते स्थिति को संभाल लिया गया। घटना के दौरान आसपास के लोग काफी डरे हुए थे, क्योंकि कभी भी सिलेंडर फटने का खतरा बना हुआ था।

मकान मालिक संतोष केवट ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे पूजा-पाठ करने के बाद वे पत्नी के साथ काम पर चले गए थे और बच्चे भी अपने-अपने काम पर निकल गए थे। बाद में फोन पर उन्हें आग लगने की सूचना मिली। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि पूजा कक्ष में जल रहे दिए की बाती को चूहा ले गया होगा, जिससे आग भड़की। इस हादसे में लाखों रुपये के नुकसान की बात सामने आई है। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेकर जांच शुरू कर दी है।

जिले में 278149 बच्चों को पिलाएं जाएंगे दो बूंद जिंदगी की

सीएमएचओ ने जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बिलासपुर संवाददाता।

जिले में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पल्स पोलियो अभियान का आयोजन दिनांक 21 दिसम्बर 2025 को किया जाना है। अभियान के प्रथम दिवस में पोलियो बूथ तथा माप-अप दिवसों (दिनांक 22 एवं 23 दिसम्बर 2025) को गृह भेंट कर 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाया जाना है। इस हेतु डॉ. शुभा गरेवाल, सीएमएचओ द्वारा इस अभियान की व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जिला कार्यालय से प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किये गये। इस दौरान स्वास्थ्य के डॉ. रक्षित जोगी डीएसओ, प्रभारी पल्स पोलियो अभियान, सुश्री प्यूली मजूमदार डीपीएम, श्रीमती एसआर राम बीईटीओ, डॉ. टारजन आदिले सीपीएम, अमित स्कॉट डीपीएचएनओ, प्रदीप राय डीटीसी, डॉ. अनुपम नाहक सलाहकार, दिनेश कुमार सिंगरौल सत्रेटेरियल असिस्टेन्ट सहित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

एक भी बच्चा पोलियो दवा पीने से न छूटे, इसके लिए लिए जिले में 1520 पोलियो बूथ बनाया गया है। यह पोलियो बूथ जिला चिकित्सालय, सिम्स, समस्त शासकीय अस्पताल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक

स्वास्थ्य केन्द्र, उप स्वास्थ्य केन्द्रों सहित आंगनबाड़ी केन्द्रों में संचालित होगा। जिले में शून्य से 05 वर्ष के लक्षित कुल 278149 बच्चों को पोलियो की खुराक दी जायेगी। यह अभियान तीन दिन को होगा, पहले दिन 21 दिसम्बर, रविवार को पोलियो बूथ पर दवा पिलायी जायेगी। इसके बाद दूसरे एवं तीसरे दिन 22 एवं 23 दिसम्बर को स्वास्थ्य कार्यकर्ता/आंगबाड़ी कार्यकर्ता/मितानिनों के द्वारा घर-घर भ्रमण कर छूटे हुए बच्चों को व दुर्गम पहुँच विहिन क्षेत्रों में जाकर पोलियो दवा पिलाएंगे।

गृह भ्रमण के लिए टीम बनाये गये है। बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन व हाई रिस्क क्षेत्र जैसे- ईट भट्टा, कोयला भट्टा, निर्माण क्षेत्र, घुमन्तू परिवार, मलिन बस्ती आदि के लिए अलग से टीम बनाई गई है तथा मेला एवं हाट बाजार के लिए भी टीम सदस्य अलग से बनाई गई है। मोबाईल टीम भी बनाये गये है, जो बच्चों को पोलियो की खुराक पिलायेंगे। पालकों एवं अभिभावकों से अपील की गई है कि पल्स पोलियों अभियान के दौरान वे अपने शून्य से 05 वर्ष तक के बच्चों को नजदीक के पोलियो बूथ में ले जाकर पोलियो की दवा अवश्य पिलायें।

पूर्व मध्य रेलवे में राकेश रंजन होंगे बिलासपुर के नए डीआरएम

बिलासपुर,

पूर्व मध्य के रेलवे हाजीपुर के आइआरएसएसई राकेश रंजन बिलासपुर रेल मंडल के नए डीआरएम होंगे। पश्चिम रेलवे मुंबई में पदस्थ सीएसई उमेश कुमार का बिलासपुर आने से इन्कार के बाद रेलवे बोर्ड ने नए डीआरएम की तलाश शुरू कर दी थी। गुरुवार को नए डीआरएम की नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया गया है।गतौरा-लालखदान रेल हादसे में सीआरएस की जांच रिपोर्ट के आधार पर रेलवे बोर्ड ने बिलासपुर डीआरएम राजमल खोईवाल को पद से हटाकर उनका स्थानांतरण जारी किया। 10 दिसंबर के आदेश के तहत रेलवे बोर्ड ने पश्चिम रेलवे मुंबई में पदस्थ सीएसई उमेश कुमार को बिलासपुर डीआरएम पद की जिम्मेदारी दी। इस आदेश के बाद उम्मीद थी कि उमेश कुमार यहां का पद संभाल लेंगे। लेकिन, दूसरे ही दिन 11 दिसंबर को रेलवे बोर्ड के सचिव को आवेदन देकर डीआरएम पद पर किए गए अपने स्थानांतरण का पालन कर पाने में असमर्थता जताई है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि वे अपने पुत्र की कक्षा 10 की पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के कारण स्थानांतरण स्वीकार नहीं कर सकते। स्थानांतरण से बच्चे की शिक्षा प्रभावित होगी, वहीं उनकी पत्नी भी कार्यरत हैं। इसके साथ ही व्यक्तिगत व शैक्षणिक कारणों से पश्चिम रेलवे में ही कार्य जारी रखने की अनुमति और स्थानांतरण आदेश रद करने का अनुरोध किया। वरिष्ठ रेल अधिकारी के इस पत्र के बाद कई तरह की चर्चाएं होने लगी। आमतौर पर ऐसा बहुत कम होता है, है, जब रेलवे में किसी वरिष्ठ अधिकारी को जिम्मेदार पद खासकर डीआरएम बनाए जाने के बाद, उस जिम्मेदारी को संभालने से मना करे। चर्चा यह भी थी कि उनका यह अनुरोध स्वीकार नहीं होगा और उन्हें रेलवे बोर्ड के आदेश का पालन करना होगा। इन्हीं चर्चाओं के बीचगुरुवार को बोर्ड के आदेश ने सभी को चौंका दिया। बोर्ड ने मुंबई के अधिकारी का अनुरोध न केवल स्वीकार किया बल्कि बिलासपुर के लिए नए डीआरएम का आदेश भी जारी कर दिया।

दो बाइकों में आमने-सामने भिड़ंत, बुजुर्ग की मौके पर मौत, तीन की हालत गंभीर

कवर्धा। कबीरधाम जिले में आज मध्यप्रदेशङ्छत्तीसगढ़ सीमा से लगे सागोना गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इसमें से दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, लोखान गांव निवासी संतराम और स्वात राम एक ही बाइक पर सवार होकर मध्यप्रदेश की ओर अपने गांव जा रहे थे। इसी दौरान छत्तीसगढ़ से मध्यप्रदेश की ओर जा रहे एक अन्य बाइक से उनकी आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में मध्यप्रदेश निवासी एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ बाइक पर सवार एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। मृतक का नाम और पता फिलहाल मालूम नहीं चल पाया है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल पंडरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल दो लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहीं एक घायल का इलाज पंडरिया में जारी है। सूचना मिलते ही कुकदूर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कुकदूर थाना प्रभारी संग्राम सिंह ने बताया कि दो बाइकों की आपसी टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हुई है और तीन लोग घायल हैं। घायलों में दो लोग कवर्धा जिले के लोखान गांव के निवासी हैं, जबकि मृतक और एक घायल मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं। मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

छावनी, दुर्ग एवं भिलाई नगर अनुविभाग क्षेत्र में अड्डेबाजों पर पुलिस की कार्यवाही

दुर्ग। दुर्ग पुलिस की विशेष अभियान के तहत राजपत्रित अधिकारियों की निगरानी में छावनी, दुर्ग एवं भिलाई नगर अनुविभाग क्षेत्र में कार्यवाही करते हुए अड्डेबाजों की चेकिंग की। चेकिंग के दौरान अड्डेबाजी कर शराब पीने वालों के खिलाफ कार्यवाही की गई। जिसमें कुल 34 व्यक्तियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

बता दें कि दिनांक 19.12.2025 वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देशन में दुर्ग पुलिस व्दारा आपरेशन विश्वास एवं सुरक्षा अभियान के तहत जिला में शान्ति व्यवस्था कायम रखने हेतु अड्डेबाजी कर शराब का सेवन करने वालों के विरुद्ध चेकिंग हेतु दुर्ग अनुविभाग में नगर पुलिस अधीक्षक हर्षित मैहर, भिलाई नगर अनुविभाग में नगर पुलिस अधीक्षक सत्य प्रकाश तिवारी, एवं छावनी अनुविभाग में अनूप लकड़ा के नेतृत्व में चौकचौराहे एवं संदिग्ध स्थानो एवं अड्डेबाजी करने वालों के विरुद्ध 100 से अधिक अधिकारी/कर्मचारी का बल लगाकर चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान अड्डेबाजी कर शराब का सेवन करने वालों के विरुद्ध थाना पुलगांव में 7, थाना दुर्ग व खुर्सीपार में 5-5, भिलाई नगर, पाटन व नेवई में 3-3, सुपेला, वैशाली नगर व अंजोरा में 2-2 एवं पद्मनाभपुर व छावनी में 1-1प्रकरण पंजीबद्ध किया गया, इसी प्रकार जिले में कुल 34 व्यक्तियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया।

बाबा गुरु घासीदास का संदेश मानवता के लिए पथ-प्रदर्शक : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सारंगढ़ स्थित गुरु घासीदास ज्ञान स्थली, पुष्पवाटिका में आयोजित तीन दिवसीय संत गुरु घासीदास रजत जयंती समारोह के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने ज्ञान स्थली में स्थापित जैतखाम में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास केवल किसी एक समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के मार्गदर्शक थे। उनका अमर संदेश ÷मनखे-मनखे एक समान÷ सामाजिक समानता, मानवीय गरिमा और भाईचारे की सुदृढ़ नींव रखता है। उन्होंने कहा कि जिस दौर में समाज छुआछूत, भेदभाव और रूढ़ियों से जकड़ा हुआ था, उस समय बाबा गुरु घासीदास ने सत्य, अहिंसा और समानता का निर्भीक संदेश देकर समाज को नई दिशा दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार संत गुरु घासीदास बाबा के विचारों से प्रेरणा लेकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और न्याय पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की अधिकांश गारंटियों को बीते दो वर्षों में धरातल पर उतारा गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में प्रदेश में धान का रकबा और किसानों की संख्या दोनों में वृद्धि हुई है, जो कृषि क्षेत्र में सरकार की नीतियों के प्रति किसानों के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। सरकार प्रत्येक पात्र किसान से धान खरीदी के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से राज्य की लगभग 70 लाख महिलाओं को लाभ मिल रहा है, जिससे महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूती मिली है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पीएससी भर्ती प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि युवाओं को योग्यता के आधार पर अवसर मिल सके। नई औद्योगिक नीति के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग के बेटा-बेटियों को उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह नीति न केवल रोजगार सृजन को बढ़ावा दे रही है, बल्कि सामाजिक न्याय को भी सशक्त कर रही है। मुख्यमंत्री ने सभी समाज वर्गों से संत गुरु घासीदास बाबा के विचारों को आत्मसात करते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया।इस अवसर पर अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि ÷मनखे-मनखे एक समान÷ का विचार सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे की अडिग आधारशिला है। उन्होंने बताया कि बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती पूरे विश्व में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बीते दो वर्षों में अनुसूचित जाति समाज के विकास को नई गति मिली है। गिरौदपुरी धाम के सर्वांगीण विकास के अंतर्गत जैतखाम, मंदिर परिसर, अमृत कुंड, छाता पहाड़ तक सड़क, सीढ़ियों एवं प्रकाश व्यवस्था जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण किए गए हैं।

छोटी सी उम्र में साहिबजादों ने वीरता और गौरव की जो मिसाल पेश की, वह युगों तक प्रेरणा देती रहेगी :मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

बलिदान और कर्तव्य के गौरवशाली इतिहास से नई पीढ़ी को परिचित कराना हमारा नैतिक दायित्व - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री साय वीर बाल रैली में हुए शामिल, हरी झंडी दिखाकर किया रैली का शुभारंभ

साहसिक गतिविधियों और भव्य झांकियों के साथ 5 हजार से अधिक स्कूली छात्र-छात्राओं ने निकाली ऐतिहासिक रैली

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग द्वारा आयोजित **वीर बाल रैली** में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने राजधानी रायपुर के मरीन ड्राइव से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस भव्य रैली में लगभग 5,000 से अधिक स्कूली छात्र-छात्राओं, स्काउट-गाइड एवं एनसीसी कैडेट्स ने सहभागिता की। रैली में सिख परंपरा की वीरता को दर्शाती गतका जैसी साहसिक गतिविधियों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं प्रेरणादायी झांकियों ने उपस्थित जनसमूह को गहरे भावनात्मक स्तर पर जोड़ा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में हम दशम गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों – बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी – के अद्वितीय बलिदान को नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि केवल 9 वर्ष और 7 वर्ष की अल्पायु में साहिबजादों ने जिस अदम्य साहस, आस्था और बलिदान का परिचय दिया, वह मानव इतिहास में अनुकरणीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी छोटी उम्र में भी साहिबजादे किसी दबाव के आगे नहीं झुके, अपनी आस्था से विचलित नहीं हुए और धर्म एवं सत्य की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। यह बलिदान केवल सिख समाज ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। श्री साय ने कहा कि सिख धर्म की यह गौरवशाली परंपरा हम सभी के लिए गर्व का विषय है। नई पीढ़ी को साहिबजादों के बलिदान और मूल्यों से परिचित कराना हमारा नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2022 से वीर बाल दिवस को राष्ट्रीय स्तर पर मनाने की पहल अत्यंत सराहनीय है। इससे बच्चों और युवाओं में शौर्य, साहस और राष्ट्रप्रेम की भावना प्रबल हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम साहिबजादों के जीवन को देखते हैं, तो हमें दशम गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा दिए गए संस्कारों और शिक्षाओं पर गर्व होता है। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना कर अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष का मार्ग दिखाया। उनकी प्रेरक पंक्तियाँ ÷सवा लाख से एक लड़ाऊँ, चिड़ियन ते मैं बाज लड़ाऊँ, तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहलाऊँ।÷ आज भी हर भारतीय के भीतर साहस और संघर्ष की चेतना जागृत करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पंक्तियाँ हमें सिखाती हैं कि साधन नहीं, साहस और संकल्प ही विजय का मार्ग प्रशस्त करते हैं। भारत की धरती धन्य है, जिसने ऐसे महान गुरुओं और साहिबजादों को जन्म दिया। उन्होंने इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग एवं शिक्षा विभाग को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। कैबिनेट मंत्री श्री खुशवंत साहेब ने कहा कि साहिबजादों का बलिदान हमें निर्भीकता, सत्यनिष्ठा और राष्ट्रप्रथम की भावना का मार्ग दिखाता है।

प्रोजेक्ट आंगन : आंगनबाड़ी केंद्रों में खेल, सीख और सहभागिता का नया आयाम

० ग्राम खम्हरिया में हुआ बाल सभा का आयोजन, बच्चों एवं पालकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप जिला प्रशासन रायपुर द्वारा संचालित अभिनव पहल प्रोजेक्ट आंगन आंगनबाड़ी केंद्रों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं बच्चों के अनुकूल वातावरण में विकसित करने की दिशा में सार्थक परिणाम दे रही है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में यह पहल आंगनबाड़ी केंद्रों को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा गतिविधियों के मॉडल केंद्र के रूप में विकसित करने पर केंद्रित है, जिससे बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिल सके। इसी क्रम में आज मंदिर हसौद अंतर्गत सेक्टर भानसोज के ग्राम खम्हरिया में बाल सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विभिन्न खेलों एवं गतिविधि आधारित शिक्षण के माध्यम से बच्चों की सक्रियता में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली, वहीं अभिभावकों में पोषण एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा गतिविधियों के प्रति समझ और जागरूकता भी बढ़ी है। बाल सभा के दौरान आयोजित खेल गतिविधियों ने पालकों के बचपन की यादें ताजा कर दीं। अभिभावक अपने बच्चों के

कलेक्टर के निर्देश पर अवैध धान परिवहन-भंडारण पर बड़ी कार्रवाई

एम्स रायपुर में 'औषधि-ईआर' का शुभारंभ, आपात सेवाओं के लिए स्वदेशी डिजिटल दवा प्रबंधन प्रणाली

रायपुर,20 दिसम्बर (आरएनएस)। स्वास्थ्य सेवाओं में डिजिटल नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर के आपातकालीन चिकित्सा विभाग ने औषधि-ईआर नामक वेब-आधारित, स्वदेशी ऑनलाइन दवा इन्वेंट्री प्रबंधन प्रणाली का शुभारंभ किया है। यह प्रणाली आपातकालीन सेवाओं में दवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा इन्वेंट्री संचालन को अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से विकसित की गई है। यह नवाचारी प्रणाली सृजन (एसआरआईजेएन - साइंटिफिक रिसर्च एंड इनोवेशन जंक्शन फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड न्यू बायोमेडिकल टेक्नोलॉजीज) के अंतर्गत विकसित की गई है। सृजन, एम्स रायपुर का एक संस्थागत मंच है, जो नैदानिक सेवाओं, डिजिटल स्वास्थ्य एवं जैव-चिकित्सकीय प्रौद्योगिकियों के समन्वय से आवश्यकता-आधारित, स्वदेशी नवाचार को प्रोत्साहित करता है। औषधि-ईआर की परिकल्पना डॉ. देवेन्द्र कुमार त्रिपाठी द्वारा की गई, जबकि इसका विकास डॉ. रोशन मैथ्यू एवं डॉ. नमन अग्रवाल द्वारा किया गया। यह प्रणाली

आपातकालीन विभाग में दवा इन्वेंट्री प्रबंधन से जुड़ी व्यावहारिक चुनौतियों के समाधान के रूप में तैयार की गई है। पूर्व में दवा स्टॉक का प्रबंधन भौतिक अभिलेखों एवं मैनुअल रजिस्टरों के माध्यम से किया जाता था, जिससे वास्तविक समय में स्टॉक की स्थिति की सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाती थी और कई बार आवश्यकता से अधिक इंडेंटिंग की स्थिति उत्पन्न हो जाती थी–जो आपातकालीन सेवाओं के लिए एक गंभीर चुनौती थी। अंतरर्राष्ट्रीय इलेक्टोटेक्निकल आयोग परियोजना के अंतर्गत विकसित यह प्रणाली पूर्णतः पेपरलेस एवं स्वचालित है, जो वास्तविक समय में स्टॉक प्रविष्टि, निगरानी एवं रिपोर्टिंग की सुविधा प्रदान करती है। इसमें ग्रीन, येलो और रेड रंग आधारित संकेतकों के साथ स्वचालित ई-मेल अलर्ट की व्यवस्था की गई है, जिससे समय पर दवाओं की पुनःपूर्ति सुनिश्चित होती है और परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय सुधार होता है। वर्तमान में यह प्रणाली एम्स रायपुर के आपातकालीन विभाग (ग्राउंड फ्लोर) में दवा इन्वेंट्री प्रबंधन के लिए लागू की गई है। भविष्य में इसे उपभोग्य सामग्रियों (कंज्यूमेबल्स) तक विस्तारित किया जाएगा तथा चरणबद्ध रूप से ट्रॉमा इंटेंसिव केयर यूनिट (ट्रॉमा आईसीयू) एवं आपातकालीन ऑपरेशन थिएटर में भी लागू करने की योजना है। इस प्रणाली का औपचारिक शुभारंभ एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) द्वारा

संभागायुक्त महादेव कावरे ने राजिम कुंभ कल्प 2026 की तैयारियों को लेकर ली

जिला प्रशासन धमतरी एवं अंबुजा फाउंडेशन की संयुक्त पहल

० ग्राम कोलियरी में खुलेगा कौशल प्रशिक्षण केंद्र मधुरिमा गुरुकुल

धमतरी, जिले के युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में एक और सराहनीय पहल की जा रही है। जिला प्रशासन धमतरी एवं अंबुजा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में धमतरी जिले के ग्राम कोलियरी में एक कौशल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की जा रही है। इस संबंध में आज कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने अंबुजा फाउंडेशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि ग्राम कोलियरी में प्रस्तावित कौशल प्रशिक्षण केंद्र में इलेक्ट्रीशियन, ब्यूटी पार्लर, कंप्यूटर कोर्स, रिटेल सेल्स मैनेजमेंट तथा जनरल ड्यूटी असिस्टेंट जैसे रोजगारपरक एवं प्रचलित पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। यह प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क होगा तथा प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात प्रशिक्षार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने की मुहिम भी चलाई जाएगी। इस प्रशिक्षण केंद्र का नाम मधुरिमा गुरुकुल होगा, जिसे एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट की तर्ज पर संचालित किया जाएगा। फाउंडेशन द्वारा जानकारी दी गई कि 26 दिसंबर से मोबिलाइजेशन कार्य प्रारंभ किया जाएगा, 5 जनवरी को काउंसलिंग आयोजित की जाएगी, तथा 15 जनवरी 2026 से प्रशिक्षण कार्य प्रारंभ करने की तिथि निर्धारित की गई है। बैठक के दौरान कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि जिले के युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। अंबुजा फाउंडेशन के सहयोग से ग्राम कोलियरी में खुलने वाला यह कौशल प्रशिक्षण केंद्र स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा। प्रशिक्षण के साथ-साथ प्लेसमेंट एवं स्वरोजगार पर विशेष फोकस रखा जाए, ताकि अधिक से अधिक युवा लाभान्वित हो सकें। प्रशिक्षण प्रारंभ करने की तैयारियों के तहत आज अंबुजा फाउंडेशन के संजय कोठारी, संकेत राठी, सुनीता केला सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। अंबुजा फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने कोलियरी स्थित प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण भी किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ में मिशन अमृत के कार्यों को सराहा, अगली किस्त की राशि जल्द मिलेगी

केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ में मिशन अमृत के कार्यों को सराहा, अगली किस्त की राशि जल्द मिलेगी

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव शहरी विकास मंत्रियों की बैठक में हुए शामिल, केंद्र सरकार की शहरी विकास की योजनाओं की प्रगति की दी जानकारी

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव शहरी विकास मंत्रियों की बैठक में हुए शामिल, केंद्र सरकार की शहरी विकास की योजनाओं की प्रगति की दी जानकारी

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव शहरी विकास मंत्रियों की बैठक में हुए शामिल, केंद्र सरकार की शहरी विकास की योजनाओं की प्रगति की दी जानकारी उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव आज भोपाल में आयोजित देश के उत्तर-मध्य राज्यों के शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक में शामिल हुए। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल तथा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के शहरी विकास मंत्री भी इसमें शामिल हुए। बैठक में पांचों राज्यों में मिशन अमृत, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, अंगीकार अभियान तथा अर्बन मोबिलिटी परियोजनाओं के क्रियान्वयन एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा हुई।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित उत्तर-मध्य राज्यों के तृतीय क्षेत्रीय बैठक में पावर-प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से राज्य में इन पांचों योजनाओं के क्रियान्वयन, उनकी प्रगति और भावी कार्ययोजना की जानकारी दी। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने केन्द्र सरकार की योजनाओं की प्रगति की सराहना करते हुए छत्तीसगढ़ को हरसंभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। बैठक में मिशन अमृत 2.0 के कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर है। मिशन के शेष कार्यों को मार्च-2026 तक प्रारंभ करने के लिए बैठक में सार्थक चर्चा हुई। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अधिकारियों ने राज्य को मिशन अमृत 2.0 की अगली किस्त की राशि जल्द जारी करने की बात कही।

भतीजे ने फावड़े से मार-मारकर कर दी चाचा ही हत्या

कोरिया छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के जमगहना गांव में एक किराना दुकान संचालक की उसके ही भतीजे ने फावड़े से मार-मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी भतीजे ने भी कुंए में कुदकर आत्महत्या कर ली। मामला पटना थाना क्षेत्र का है।

मिली जिानकारी के अनुसार, जमगहना के जूनापारा मोहल्ले में किराना दुकान चलाने वाले 56 वर्षीय उपेंद्र नारायण बरगाह शनिवार दोपहर करीब 3 बजे अपनी दुकान के सामने अहाते में बैठे हुए थे। उसी समय उनका भतीजा 37 वर्षीय कौशल बरगाह हाथ में फावड़ा लेकर वहां पहुंचा और बिना कुछ कहे अचानक उपेंद्र नारायण पर फावड़े से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिससे उपेंद्र नारायण बरगाह की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने उपेंद्र को बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। वहीं हत्या के बाद आरोपी कौशल बरगाह सीधे अपने घर पहुंचा, जहां उसने वारदात में इस्तेमाल किया गया फावड़ा रख दिया। इसके बाद वह घर से लगभग 100 मीटर दूर स्थित एक पुराने कुएं के पास गया और उसमें कूद गया। जब तक स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी मिली और उसे कुएं से बाहर निकाला गया, तब तक उसकी भी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही राजेश तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल और एफएसएल विज्ञानी शारदा दुबे भी घटनास्थल पर पहुंचे और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है और पूरे घटनाक्रम की गहन जांच की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हत्या के पीछे कोई और कारण तो नहीं था। वहीं परिजनों ने बताया कि आरोपी कौशल बरगाह की मानसिक स्थिति पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं थी और उसका इलाज चल रहा था। उन्होंने यह भी बताया कि मृतक उपेंद्र नारायण बरगाह, जो रिश्ते में कौशल का चाचा था, उसके इलाज में आर्थिक मदद करता था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)